तापमान

अधिकतम 34.0 डिग्री
न्यूनतम 25.2 डिग्री

हरिभूमि
सोनीपत भूमि
रोहतक, सोमवार, 18 अगस्त 2025

12 योगा स्पर्धा में शुभम, छायांक, रौनक जतिन और...

12 स्वतंत्रता दिवस पर विधायक देवेंद्र कादियान ने किया...

खबर संक्षेप

रेलवे फाटक के पास खड़ी बाइक चोरी

गोहाना। शहर में महम रोड स्थित रेलवे फाटक के पास से ग्रामीण की बाइक चोरी हो गई। इसको लेकर ग्रामीण ने शहर थाना में शिकायत दी। खंदराई गांव निवासी पवन कुमार ने पुलिस को बताया कि वह 13 अगस्त को शाम करीब 6 बजे महम रोड पर रेलवे फाटक के नजदीक गया था। वह फाटक के पास बाइक खड़ी करके नजदीक ही एक अकादमी में चला गया। कुछ देर बाद वापस आया तो वहां उसकी बाइक नहीं मिली।

सोहटी गांव के पास सड़क दुर्घटना में एक घायल

खरखौदा। सोहटी गांव के पास सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति घायल हो गया। सोहटी निवासी आयुष ने बताया कि उसका पिता मनजीत 9 अगस्त को शाम के समय खेत में घूमने के लिए गया था। उसे सूचना मिली कि एक थ्री व्हीलर ने उसके पिता को टक्कर मारकर घायल कर दिया है। जब वह मौके पर पहुंचा तो उसके पिता गंभीर रूप से घायल थे। वह अपने पिता को इलाज कराने के लिए दिल्ली के गंगाराम हॉस्पिटल ले गया। जिनकी अभी तक हालत गंभीर बनी हुई है।

राज्य स्तरीय समारोह के लिए काफिला रवाना

गोहाना। पांचाल समाज में जन्मे महापुरुष, स्वतंत्रता सेनानी एवं समाजसेवी स्वामी भीष्म जी महाराज की यादगार में रविवार को राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी रहे। समारोह में भाग लेने के लिए गोहाना से समाज के लोगों का जत्था रवाना हुआ जिसे समाज के प्रतिनिधि सत्यनारायण पांचाल ने झंडी दिखाकर रवाना किया।

भावड़ गांव में जलघर से पानी की मोटर चोरी

गोहाना। भावड़ गांव में जनस्वास्थ्य विभाग के जलघर से पानी की मोटर चोरी हो गई। इसको लेकर विभाग के उपमंडल अभियंता कुलदीप ने बरोदा थाना में शिकायत दी। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा भावड़ गांव में जलघर बनाया हुआ है। वहां 14 अगस्त की रात को चौकीदार बिजेंद्र की ड्यूटी थी। उसने सुबह आकर देखा तो वहां से 10 पाव हॉर्स की मोटर चोरी मिली। इससे विभाग को काफी नुकसान हुआ है। इस पर पुलिस ने चोरी का केस दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

दिहाड़ी-मजदूरी के लिए गया युवक लापता

गोहाना। शहर में रोहतक रोड स्थित अपने घर से दिहाड़ी-मजदूरी के लिए गया युवक लापता हो गया। इसको लेकर उसके पिता ने शहर थाना में शिकायत दी। रोहतक रोड पर बस स्टैंड के नजदीक रहने वाले लक्ष्मण मंडल ने पुलिस को बताया कि 14 अगस्त को उसका बेटा आशीष कुमार (21) घर से दिहाड़ी-मजदूरी करने के लिए सुबह करीब 9 बजे लेबर चौक पर गया था। इसके बाद वह शाम को घर वापस नहीं आया।

सरकार की नाकामी के कारण अपराधी बेखौफ

सोनीपत। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता राकेश सौदा एडवोकेट ने प्रदेश में बढ़ती अराजकता और अपराध पर कहा कि हरियाणा मे अपराधी बेखौफ हो चुके है। क्योंकि हरियाणा सरकार सुरक्षा और सुरक्षित माहौल प्रदेश की जनता को देने मे नाकाम रही है। प्रदेश के मुख्यमन्त्री और सत्ताधारी पार्टी सिर्फ अपने चुनावी इवेंट मे व्यस्त रहते है। उन्हे प्रदेश के नागरिकों की सुरक्षा का कोई ध्यान नहीं है। जिस तरह की नाकारा सरकार आज प्रदेश मे काम कर रही है। इस तरह की सरकार कभी पूर्व मे प्रदेश मे नहीं देखी गई। भिवानी की महिला अध्यापिका हत्या मामला हो या सांपला के वाल्मीकि युवक की हत्या का मामला सरकार के दावों और इरादों की पोल खोलते है।

यमुना नदी में 47 हजार क्यूसेक पानी, अगले 36 घंटे महत्वपूर्ण

हथिनी कुंड बैराज से छोड़ा गया एक लाख 16 हजार क्यूसेक पानी बना खतरा

- यमुना के किनारे लगे हैं कटने, 25 गांवों में बन सकता है बाढ़ का खतरा
- गन्नौर, मुरथल, राई और कुंडली के गांवों को यमुना के पानी से हो सकती है परेशानी

हरिभूमि न्यूज. सोनीपत

दो सालों के बाद यमुना फिर से डराने लगी है। लगातार बढ़ रहे जलस्तर के बीच प्रशासन ने भी यमुना को लेकर अलर्ट जारी कर दिया है। यमुना का प्रभाव गन्नौर, मुरथल, कुंडली और राई क्षेत्र के गांवों में रहता है।

इन क्षेत्रों के आसपास के 25 गांवों में बाढ़ का खतरा बनता है। हालांकि अभी तक सोनीपत सीमा में यमना का जलस्तर ज्यादा नहीं बढ़ा है। रविवार को यमुना में पानी का स्तर केवल 47 हजार क्यूसेक दर्ज किया गया है, जोकि सामान्य स्थिति है। बताया गया है कि अगले 36 घंटे महत्वपूर्ण हैं।

बता दें कि हथिनी कुंड बैराज से रविवार को 1 लाख 16 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। जोकि 36 घंटों बाद ही सोनीपत सीमा में प्रवेश कर पाएगा। ऐसे में प्रशासन लगातार यमुना पर नजर बनाए हुए हैं। वर्तमान में जिले से गुजर रही यमुना में केवल 47 हजार क्यूसेक पानी बह रहा है। फिलहाल स्थिति सामान्य है और किसी भी तरह का खतरा नहीं है।

सिंचाई विभाग के अनुसार पानी का यह स्तर खतरे की श्रेणी से काफी नीचे है। लेकिन यदि आने वाले दिनों में बैराज से अतिरिक्त पानी छोड़ा गया तो हालात बदल सकते हैं। विभाग और जिला प्रशासन ने पहले से ही आवश्यक एहतियाती कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। यमुना के निचले क्षेत्रों और किनारे बसे गांवों में मुनादी कर ग्रामीणों को सतर्क किया जा रहा है। किसानों को विशेष रूप से चेतावनी दी गई है कि वे यमुना किनारे वाली फसलों की सुरक्षा को लेकर सावधानी बरतें और नदी की ओर अनावश्यक आवाजाही से बचें।

ठोकर निर्माण और मरम्मत में लापरवाही का आरोप

बख्तावरपुर गांव के किसानों ने आरोप लगाया है कि यहां कई साल पहले ठोकर का निर्माण किया गया था लेकिन उसके बाद से अब तक इसकी मरम्मत नहीं हुई। किसानों का कहना है कि ठोकर कमजोर होने से हर साल खेतों पर बाढ़ का खतरा मंडराता है। वहीं, सिंचाई विभाग की तरफ से बड़ौली गांव क्षेत्र में यमुना में आठ नए ठोकर बनाए जाने का काम जारी है। किसानों का मानना है कि अगर यह निर्माण समय पर और मजबूत तरीके से पूरा हो जाए तो कटाव व जलभराव की समस्या में काफी हद तक राहत मिल सकती है।

दो साल पहले आई थी परेशानी

बता दें कि हर साल पहाड़ों में बारिश होने के बाद हथिनीकुंड बैराज से पानी छोड़ जाता है। जोकि धीरे-धीरे यमुनानगर से करनाल, पानीपत होते हुए सोनीपत की सीमा में प्रवेश करता है। दो साल पहले वर्ष 2023 में बाढ़ का खतरा बना था, उस समय कई गांवों में पानी घुस गया था। अचानक छोड़े गए पानी से सोनीपत, पानीपत और दिल्ली तक के इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई थी।

पानी को लेकर जिला प्रशासन अलर्ट : उपायुक्त

हथिनीकुंड बैराज से लगातार पानी छोड़ा जा रहा है। 17 अगस्त को दोपहर 1:00 बजे तक बैराज से लगभग 1,16,686 क्यूसेक पानी यमुना नदी में छोड़ा गया है। अनुमान है कि अगले 36 से 40 घंटों के भीतर यह पानी जिला सोनीपत की सीमा में प्रवेश करेगा। यमुना नदी के जल स्तर बढ़ने की संभावना को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक एहतियाती कदम उठाए जा रहे हैं। प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट मोड पर है और निचले क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों से अपील की जाती है कि वे सतर्क रहें तथा प्रशासन द्वारा दिए जा रहे दिशा-निर्देशों का पालन करें। लोगों की जान-माल व पशुधन की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। संबंधित विभागों को हाई अलर्ट पर रखा गया है और यमुना नदी के जलस्तर की स्थिति पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है।

-सुशील सारवान, उपायुक्त, सोनीपत।

किनारे लगे हैं कटने, बर्बाद हो गई फसलें

यमुना नदी के किनारे कटने लगे हैं। वर्तमान में यमुना के किनारे खेतों में फसलें सुरक्षित हैं लेकिन यमुना बैंड में बेल और हरे चारे की कुछ फसलें बर्बाद हो गई हैं। किसानों का कहना है कि अगर जलस्तर और बढ़ा तो स्थिति गंभीर हो सकती है। हथिनीकुंड बैराज से छोड़ा गया पानी सोनीपत क्षेत्र पार करते हुए दिल्ली की ओर बढ़ रहा है। फिलहाल इससे खतरा नहीं है। इसके बावजूद आगामी कुछ दिनों तक प्रशासन अलर्ट रहेगा।

सोनीपत। विधायक निखिल मदान को ज्ञापन सौंपते हुए स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी।

जीओ फेसिंग अटेंडेंस सिस्टम के खिलाफ विधायकों को सौंपा ज्ञापन

- स्वास्थ्य विभाग अधिकारी कर्मचारी तालमेल कमेटी पहुंची निखिल मदान और कृष्णा गहलावत के पास
- अगर समय रहते समाधान नहीं तो 28 अगस्त को प्रदेश के सभी सिविल सर्जन कार्यलयों पर होगी 24 घण्टे की भूख हड़ताल

हरिभूमि न्यूज. सोनीपत

सरकार प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग के अधिकारीयों और कर्मचारियों पर जीओ फेसिंग अटेंडेंस सिस्टम लागू करने के लिए आदेश निकाल रही है तो वहीं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी कर्मचारी मिलकर इसके विरोध में एक मंच पर आकर खड़े हो चुके हैं। प्रदेश स्तरीय स्वास्थ्य विभाग तालमेल कमेटी ने निर्णय अनुसार स्वास्थ्य विभाग के सभी जिलों से अधिकारी व कर्मचारी तालमेल कमेटी ने मौजूदा विधायकों को जीओ फेसिंग एप के विरोध में ज्ञापन सौंपने का फैसला किया है। इसीलिए रविवार को हल्का राई विधायक कृष्णा गहलावत व हल्का सोनीपत विधायक निखिल मदान को स्वास्थ्य विभाग अधिकारी कर्मचारी तालमेल कमेटी ने ज्ञापन सौंपा। तालमेल कमेटी सोनीपत ने दोनों वर्तमान विधायकों के सामने अपनी बात रखी कि सरकार प्रदेश के सिर्फ स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी और अधिकारियों के ऊपर अपने तुगलक की फरमान जारी कर रही है और बिना संसाधन दिए स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों और अधिकारियों पर जीओ फेसिंग अटेंडेंस सिस्टम को लेकर दबाव बनाया जा रहा है जिससे अधिकारियों और कर्मचारियों की निजता का उलंघन होगा।

ज्ञापन सौंपने के बाद जिला सोनीपत तालमेल कमेटी संयोजक डॉ. नितिन फलस्वाल व सह संयोजक टेकराम दहिया ने बताया कि विधानसभा सत्र के दौरान भी उनकी इस जायज मांग का समाधान नहीं होता है तो प्रदेश के सभी सिविल सर्जन कार्यलयों पर 28 अगस्त को 24 घण्टे की सांकेतिक भूख हड़ताल भी होगी। जिसके दौरान होने वाली किसी भी क्षति व परेशानी की जिम्मेदारी सरकार की होगी।

ये रहे मौजूद

इस दौरान आज स्वास्थ्य विभाग से एचसीएमएस एसोसिएशन, दन्तक सर्जन एसोसिएशन, स्वास्थ्य सुपरवाइजर संघ हरियाणा, बहुउद्देश्यीय स्वास्थ्य कर्मचारी एसोसिएशन, एनएचएम कर्मचारी संघ, नर्सिंग ऑफिसर एसोसिएशन, लैब टेक्नीशियन एसोसिएशन, फार्मासिस्ट एसोसिएशन, ओटीए एसोसिएशन सहित स्वास्थ्य विभाग हरियाणा की सभी श्रेणी की एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने भाग लिया।

रेलवे अंडरब्रिज के नीचे दो दिन से भरा पानी, ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज. सोनीपत

महारा रोड पर किलोहड़द के पास बने रेलवे अंडरब्रिज के नीचे पिछले दो दिनों से पानी भरा रहने के विरोध में जिला पार्षद संजय बड़वासनिया ने रविवार को ग्रामीणों के साथ प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि लाखों रुपये खर्च करने के बावजूद भी अंडरब्रिज में पानी निकासी का कोई प्रबंध नहीं किया गया, जिससे आम लोगों को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। जिला पार्षद संजय बड़वासनिया ने कहा कि सोनीपत जिले में जितने भी अंडरब्रिज बने हैं, उनमें पानी निकासी की उचित व्यवस्था नहीं है, जिसके कारण बारिश होते ही पानी भर जाता है और लोगों को आने-जाने में कठिनाई का सामना करना पड़ता है। उन्होंने आरोप लगाया कि बार-बार शिकायत करने के बावजूद प्रशासन और संबंधित अधिकारी इस समस्या की अनदेखी कर रहे हैं। संजय बड़वासनिया ने कहा कि भ्रष्टाचार के चलते सड़कों की गुणवत्ता भी खराब है। एक ही बारिश में हाल ही में बनी सड़कें टूट गईं। अंडरब्रिज के पास बने नालों का लेवल भी सही नहीं है, जिस कारण पानी निकासी नहीं हो पाती। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही अंडरब्रिज से पानी निकासी का स्थायी प्रबंध नहीं किया गया तो ग्रामीण गवाना रोड जाम करने को मजबूर होंगे। इस मौके पर संदीप, प्रदीप, रमेश, सुरेश, कुलदीप, सतवीर, राजेश और योगेंद्र सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

सोनीपत। रेलवे अंडरब्रिज के नीचे भरे पानी को लेकर रोष जाते हुए लोग।

गांव तेवड़ी के खेत में गिरा बिजली का पोल

गन्नौर। गांव तेवड़ी में बिजली विभाग की लापरवाही से बड़ा हादसा होने की आशंका बनी हुई है। गांव के एक किसान ने शिकायत दर्ज करवाने के बाद बिजली विभाग से खेत में गिरे बिजली के पोल को ठीक कराने की मांग की है। यह पोल खेतों में काम करने वाले किसानों और राहगीरों के लिए गंभीर खतरा बना हुआ है। शिकायतकर्ता किसान संदीप ने बताया कि गिरा हुआ पोल कई दिनों से वहीं पड़ा है और बरसात के मौसम में इसके तारों से करंट फैलने की संभावना है। उन्होंने आशंका जताई कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो किसी भी व्यक्ति की जान जा सकती है। ग्रामीणों ने बिजली विभाग से तुरंत मौके पर टीम भेजकर पोल को हटाने और नया पोल लगाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि विभाग की अनदेखी के कारण हादसे हो सकता है।

कूड़े के ढेर में कबाड़ व पॉलिथीन खाने से रेलवे फ्लाईओवर के पास गाय की मौत

- गायों को गौशाला में छोड़ने की मांग
- गौ रक्षा दल के सदस्य ने जताई गायों की हालत देखकर नाराजगी

गन्नौर

गुमड़ रोड रेलवे फ्लाईओवर के पास लगे कूड़े के ढेर पशुओं की जान के लिए खतरा बन रहे है। गौ रक्षा दल के सदस्यों का कहना है कि कबाड़ और पॉलिथीन खाने से कई गायें व गोवंश बीमार होकर मौत के मुंह में जा रहे हैं। गौ रक्षा दल के सदस्य

गोकुल भारद्वाज, ऋतिक सैनी, कार्तिक, कुणाल ने आरोप लगाया कि नगरपालिका सड़क किनारे व फ्लाईओवर के पास कूड़े के ढेर लगाती हैं। इन ढेरों में पॉलिथीन, कांच और जहरीला कचरा पड़ा रहता है जिसे गायें चारा समझकर खा लेती हैं। इससे उनका पेट खराब हो जाता है और कई बार उनकी मौत भी हो जाती है। रविवार को भी एक गाय की मौत हो गई। गौ रक्षा दल ने प्रशासन से मांग की है कि गायों और गोवंश को सुरक्षित स्थान पर ले जाकर गौशालाओं में छोड़ा जाए, ताकि उनकी उचित देखभाल और भोजन की व्यवस्था हो सके। स्थानीय लोगों का कहना है कि कूड़ा निस्तारण की उचित व्यवस्था न होने के कारण यह स्थिति बनी है। उन्होंने भी प्रशासन से अपील की कि बेसहारा पशुओं को गौशालाओं में पहुंचाया जाए।

गन्नौर। कबाड़ और पॉलिथीन खाने से मृत गाय के साथ गोरक्षा दल के सदस्य व कूड़े के ढेर में कबाड़ व पॉलिथीन को खाती हुई गाय ।

बारिश के दौरान तीन तालाब ओवरफ्लो, गलियों में भरा पानी

भटगांव डूंगरान में घरों में ही कैद हुए लोग

हरिभूमि न्यूज. सोनीपत

गांव भटगांव डूंगरान में प्रशासन की अनदेखी की वजह से गलियों में पानी भरने के कारण 80 घरों में लोग कैद हो गए है। बारिश के दौरान गांव के तीन तालाब ओवरफ्लो होने के कारण समस्या बनी हुई है। लोगों को आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोगों का आरोप है कि अधिकारियों को शिकायत करने के बावजूद उनकी सुनवाई नहीं हो रही है।

गांव भटगांव डूंगरान की गलियों में घरों के सामने से पानी की निकासी न होने के कारण वहां पर रह रहे ग्रामीणों का जीना दुभर हो गया है। पानी घरों के दरवाजों को छूने लगा है। पास ही के घरों में रह रहे ग्रामीण अशोक दहिया, सतपाल, संदीप दहिया, प्रदीप, बाला ने ने बताया कि गली में पानी भरने के कारण उनकी जीना दूभर हो गया है। घरों से बाहर निकलने तक का रास्ता नहीं बचा है। घर से बाहर रोजगार के लिए सुबह-शाम चप्पल जूते अपने हाथों में लेकर इस पानी को पार करना पड़ता है। वहीं छोटे बच्चों का घरों से बाहर खेलना बंद हो गया है। दूषित पानी घरों के दरवाजों को बिल्कुल छू रहा है और न ही बाहर निकलने का रास्ता बचा है तो ऐसे में बच्चों को खेलने को जगह कहां से मिले। बच्चों के साथ साथ महिलाएं भी घरों में ही कैद होकर रह गई है। वहीं लोगों को मजबूरीवश इसी गंदे पानी में से गुजरना पड़ता है।

सोनीपत। भटगांव डूंगरान गांव में गलियों में भरा गंदा पानी।

पानी से आती है दुर्गंध फैल रही है बीमारियां

ग्रामीणों का कहना है कि बारिश के दौरान गांव के तीन तालाब ओवरफ्लो होने के कारण यह समस्या बनी हुई है। गली में भरे दूषित पानी से दुर्गंध आती रहती है जिससे कि आस पास में रहने वाले घरों में लोगों का जीना मुश्किल हो गया है। एक तो बदलते मौसम में बीमारियां वैसे ही लोगों को अपनी चपेट में ले रही है ऐसे में गली में बीमारियों का खतरा और अधिक बढ गया है।

पानी भरने को लेकर कोई शिकायत नहीं मिली

गांव भटगांव डूंगरान में तालाब ओवरफ्लो की वजह से गलियों में भरे पानी को लेकर कोई शिकायत नहीं मिली है। अगर वहां ऐसे हालात है तो संबंधित ग्राम सचिव को गांव में भेजकर पानी निकासी कराई जाएगी। इसके बाद लोगों को परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा।

-अंकुर कुमार, खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी

जो शिक्षा हमें निर्बलों को सताने के लिए तैयार करे, जो हमें धरती और धन का ग़ुलाम बनाए, जो हमें भोग-विलास में डुबाए, जो हमें दूसरों का ख़ून पीकर मोटा होने का इच्छुक बनाए, वह शिक्षा नहीं भ्रष्टता है।
- मुंशी प्रेमचंद

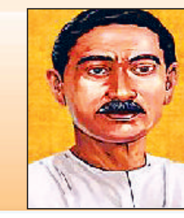

गतांक से आगे...

अभी तक आपने पढ़ा कि शारदा की साहब से शादी हो जाती है। साहब कम बोलते हैं। शारदा इस बात का पूरा ध्यान रखती है कि घर में शोर-शराबा न हो। शारदा के दो बच्चे हो चुके हैं। बच्चों के जन्म के बाद वह समझ पाती है कि जीवन में आवाज का क्या महत्व है। साहब की मां स्वर्ग सिधार गई हैं। अब साहब ने कॉलेज की नौकरी से रिटायरमेंट ले ली है और ज्यादातर वक्त वे पढ़ने-लिखने में ही बिताते हैं। ***अब आगे...***

कहानी

नवरत्न

आवाज़ें

अम्मा जी चली गई हैं। साहब ने उन्हें चुपचाप विदा कर दिया है। अब तो अकेले ही दरख़्तों के साए में अपने हुक्के के साथ बैठते हैं। शाम को अक्सर अम्मा जी की जगह शारदा होती है। चुपचाप उन्हें पढ़ते-लिखते हुए या हुक्का गुड़गुड़ाते हुए देखती हुई शारदा ... बच्चे बड़े हो रहे हैं... पड़ोस में एक आध मकान और बन गया है। जिससे आवाजों की आमद बढ़ गई है। नए मकान का मुहूर्त है और पड़ोस में थोड़ी रेलम-पेल है। नए पड़ोसी थोड़े ज्यादा ही बोलने-चालने वाले किस्म के लोग हैं। बोल बोल कर, नाच-गाकर जिंदगी का आनंद मनाने वाले लोग.. साहब को न्योता देने आए हैं। चाहते हैं कि पड़ोस में जान-पहचान बढ़े।

साहब चुपचाप हुक्का गुड़गुड़ा रहे हैं। शारदा थोड़ी विचलित है कि अब उन्हें कैसे बताए... कि ये इस तरह के समारोह में शामिल नहीं होते। अब कुक्कू के कान में दर्द हो तो शारदा साहब के सोने की अलग कमरे में व्यवस्था कर सकती है। निक्की को बुखार हो या दोनों भाई-बहन आपस में खेलते-खेलते झगड़ा करने लगें तो शारदा के पास समाधान है। अब इस नई समस्या का तो उसे कोई समाधान नजर नहीं आता। लेकिन ऐसा भी नहीं कि साहब को ये चीजें बिल्कुल ही नागवार गुजरें। बस! इतना है कि वे न्योता देने वालों की बातों को सिर्फ सुन रहे हैं। बहुत हुआ तो वे उनके कई वाक्यों के बाद अपनी संक्षिप्त सी 'जी' से काम चला देते हैं। फिर... एक व्यक्ति और आ गया है जो शायद पहले वाले को बुलाने आया है। साथ में कुछ बच्चे भी आ गए हैं। बड़े प्यारे-प्यारे बच्चे हैं। निक्की और कुक्कू की आज छुट्टी है और जाने कब बच्चों की छोटी सी दुनिया में दोस्ती का दीप जगमग आ उठा है। शारदा ने निक्की के हाथ एक पानी का जग और गिलास भेजे हैं शिष्टाचारवश। साहब ने उन्हें पानी पिलाया है.. साथ ही आगंतुकों ने साहब को यह भी बताया है कि.. 'जी आज तो लेडीज संगीत का कार्यक्रम है। शाम को जवान बच्चे नाच-कूद लेंगे इस बहाने और कल सुबह दस बजे गृह प्रवेश है। आप मैडम के साथ, बच्चों के साथ, जरूर आइएगा।'

साहब ने कोई जवाब नहीं दिया है। बच्चों को खेलते हुए महज देख रहे हैं। फिर कुछ औरतें पारंपरिक परिधानों में सजकर गीत गाती हुई सुनाई दे रही हैं। बच्चे.. निक्की और कुक्कू के साथ खेलते-खेलते अंदर आ गए हैं। अब बच्चे तो बच्चे हैं, उन्हें कागजों पर लिखी बातों का क्या पता? वे विस्मय से भरे ..कमरों में भरी किताबों को देख रहे हैं। कभी-कभी किसी कागज को भी उठा लेते हैं। फिर उस कागज को यूं ही गिराकर कोई और पत्रिका उठा लेते हैं। उनके लिए तो सब कुछ महज खेलने की चीजें हैं। दुनिया एक खेल है... जिंदगी एक खेल है... यहां जी रहा प्रत्येक व्यक्ति अलग-अलग तरीकों से खेल रहा है। लेकिन शारदा असहज है। वह भारी द्वंद्व में है। बच्चों की आवाजों को बड़ी शिद्दत से सुन रही है। निक्की और कुक्कू का यूं बच्चों के साथ खेलना उसे सुकून दे रहा है। लेकिन बच्चे शोर कर रहे हैं। उनका शोर करना, आवाजें करना उसे अखर रहा है। शाम को जैसा कि शारदा को पहले ही अंदेशा था.. सात बजते-बजते डीजे शुरू हो गया .. खूब तेज आवाज में ...साहब भीतर अपने कमरे में हैं और खाना खा रहे हैं। शारदा खिड़कियां बंद कर रही है ताकि आवाज अंदर ना आ सके। लेकिन खिड़कियां - दरवाजे बंद करने से भी ज्यादा असर नहीं पड़ रहा और आवाजें बाकायदा अंदर आ रही है। हंसने की आवाजें, गाने की आवाजें, जोर-जोर से बोलने की आवाजें और सबसे तेज आवाजें... पटाखों की आवाजें... शारदा विचलित तो नहीं... लेकिन असहज है.. क्योंकि बारह साल में ऐसी स्थिति पहली बार आई है जब उसे अपने घर में इतना शोर सुनाई दिया है। साहब चुपचाप लेटे हैं। उन्होंने असहज और परेशान शारदा की ओर महज देखा भर है और अपने देखने भर से यह जता दिया है कि रहने दो, कोई बात नहीं... कई बार कुछ आवाजों का कोई समाधान नहीं होता। दोनों बच्चे बिल्कुल बेफिक्री से सो रहे हैं। साहब जाग रहे हैं। आवाजों का सिलसिला जारी है। शारदा अभी जाग रही है। हालांकि उसने कोशिश की है साहब के तलवों और सिर में तेल की मालिश करके उन्हें सुलाने की। लेकिन पटाखों की आवाज के साथ ही वे चौंक पड़ते हैं। कभी-कभी उठ कर बैठ भी जाते हैं। लिखने-पढ़ने वाले विचारशील व्यक्ति हैं। सोच रहे हैं कि जीवन में आवाजों का आदी होना भी कितना जरूरी है। आवाजों के समंदर में डूब कर बेखुदी में जीना कितना आसान हो जाता है। शारदा की आंखें शायद लग रही हैं। वह तंद्रा में ही विचार कर रही है कि कुछ आवाजें कितनी अच्छी होती हैं कि वे आती हैं और बच्चों के लिए खेलने का सामान कर जाती हैं। बच्चे स्कूल में तो भले ही खेलते होंगे घर में तो वे आज ही खेले हैं, पड़ोस के बच्चों के साथ। सोचते-सोचते वह सो गई। रात का एक बज गया है, अब शायद आवाजें थक गई हैं। उनमें एक बोझिल आकार पैदा हो गया है। अब थोड़ी-थोड़ी देर में आ तो रही हैं लेकिन अलसाई हुई सी, उनमें थकान है। शायद नशा भी है और कभी-कभी एक नींद की खुमारी भी सुनाई पड़ रही है। पटाखे भी अब थक गए हैं और डीजे भी कम से कमतर हो गया है। रात्रि का मौन पसर रहा है। आज इतवार है तथा बच्चों की छुट्टी है। पड़ोस में फिर चहल-पहल सुनाई पड़ रही है। गृह प्रवेश के लिए हवन का कार्यक्रम शुरू हुआ है। हवन के मंत्रोच्चार भी बाकायदा माइक में बोले जा रहे हैं। आहूतियों के सिलसिले में स्वाहा का समवेत स्वर माहौल को ऊर्जा नृत्य कर रहा है। शारदा का यह साफ-सफाई का वक्त है। सफाई करते हुए वह सोच रही है कि एक बार शिष्टाचार के नाते, औपचारिकतावश ही सही, वह पड़ोस में जा आएगी.. क्योंकि सुबह भी दो महिलाएं बुलावा देने के लिए आई थी। महिलाएं पारंपरिक परिधान में सजी-धजी, हवन का प्रसाद लेकर गई थी। उनके साथ बच्चे खेलते हुए यहीं रुक गए थे। साहब नहा-धोकर, बाहर शहतूत तले, उनकी प्रिय जगह पर अपने हुक्के के साथ बैठे हैं। आंखों में रात भर न सोने के कारण थकान है। शारदा नहा धो चुकी है। उसने कॉटन सिल्क की साड़ी पहनी है। बस साहब के लिए नाश्ता बनाना है, फिर बच्चों के साथ वह थोड़ी देर के लिए पड़ोस में चली जाएगी। हवन हो चुका है व मंत्रोचार के समवेत स्वर सुनाई नहीं पड़ रहे हैं। शारदा रसोई में है और बच्चे दूसरे कमरे में खेल रहे हैं। वह बीच-बीच में दो-तीन बार उन्हें खेलते हुए फुसफुसाकर ताकीद कर आई है कि आवाजें नहीं, चुपचाप खेलते रहो। लेकिन अब की बार वह बच्चों वाले कमरे में आई तो पड़ोस का एक बच्चा कागज से हवाई जहाज बना रहा था। उसने शायद किसी पत्रिका से पृष्ठ फाड़ लिया है। शारदा के लिए यह अप्रत्याशित था। उसने निक्की को पास बुलाकर धीरे से फुसफुसाया.. पापा के लिए नाश्ता बना रही हूं, फिर पड़ोस के फंक्शन में चलेंगे, तब तक तुम सब बच्चों को बराबर वाले लान में, गुलमोहर के नीचे, खेलाओ और बाहर से दरवाजा बंद कर जाओ, नहीं तो ये बार-बार आकर पापा के कागज उठाएंगे। निक्की समझ गई.. वह इन सब में बड़ी बच्ची है.. उसने ऐसा ही किया, बाहर बरामदे का दरवाजा बंद कर दिया ताकि मम्मी आराम से नाश्ता बना सके। साहब को मिट्टी की हंडिया में बना हुआ दलिया नाश्ते में पसंद है। उनका मानना है कि खाने की चीजें भी जितनी धीरे पकती हैं उनमें स्वाद बरकरार रहता है। तेजी से पकी हुई चीजें बे-स्वाद होती हैं। शारदा भी समझ चुकी है कि जिंदगी धीरे धीरे, आराम से और सुकून से जी जाती है। वह दलिया धोकर मिट्टी की हांडी में डालते हुए भी साहब के बारे में ही सोच रही है कि वे रात भर आवाजों से दो-चार रहे और सो न सके। लेकिन बाहर अब सब कुछ शांत है बिल्कुल शांत ... कोई आवाज नहीं आ रही.. सोच कर.. उसे अच्छा लगा। कुछ देर से बच्चों की ओर से भी आवाज नहीं आ रही है। वह सोच रही है शायद बच्चे भी खेलते हुए पड़ोस के समारोह की ओर निकल गए होंगे। साहब नाश्ता करके शायद थोड़ा आराम करें और उनकी आंख लग जाए तो अच्छा हो। वह विचार की गहरी कंदरा में थी कि फिर दूध लेने के लिए गैस के दूसरे चूल्हे की ओर पलटी और अचानक कॉटन सिल्क की साड़ी का पल्लू और आग का भभूका..... उसको तो उकाब ही नहीं आया। चाह कर भी चीख नहीं पाई शारदा ... हालांकि रसोई से बाहर... बरामदे की ओर...वह भागी ..लेकिन भागी तो ... सिल्क और भी भभकी ... अबकी बार। शहतूत के दरख्त के नीचे साहब किसी साहित्यिक पत्रिका में उलझे हैं। हालांकि बीच में उनकी चेतना कुछ समय के लिए घर के मुख्य दरवाजे की ओर गई और उन्होंने बाकायदा देखा भी कि बाहर से बंद है और हल्के-हल्के थपथपाया जा रहा है। कुंडी बाहर से साफ दिख रही है। दोनों किवाड़ धीरे-धीरे आगे-पीछे होते हुए दिखाई दे रहे हैं लेकिन फिर उन्होंने यह सोचकर ध्यान हटा लिया कि बच्चे हैं और पड़ोस के बच्चों के साथ खेल रहे हैं। पत्रिका में आलेख छपा है .. आवाजों के जंगल में जिंदगी की तलाश... उन्होंने शीर्षक देखा ... उन्हें शीर्षक अच्छा लगा है। शीर्षक से ही उन्हें साफ महसूस हुआ कि आलेख किसी को भी अपनी ओर आकर्षित करेगा पढ़ने के लिए। लेकिन कुछ जलने की गंध और उनके नासा पुट सक्रिय ....उन्होंने फिर घूम देखा... तो बरामदे के अंदर वाले रोशनदान से धुआं निकल रहा है... मटमैला सा धुआं ... उनकी समझ में कुछ नहीं आया।

> *वह विचार की गहरी कंदरा में थी कि फिर दूध लेने के लिए गैस के दूसरे चूल्हे की ओर पलटी और अचानक कॉटन सिल्क की साड़ी का पल्लू और आग का भभूका..... उसको तो उकाब ही नहीं आया। चाह कर भी चीख नहीं पाई शारदा*

वे उठे... कि उन्हें लगा कि जैसे कुछ अप्रिय घटित होने की आशंका के साथ और वे लगभग दौड़ ही पड़े....कुंडी खोली तो अंदर का हृदय विदारक दृश्य ... उन्होंने जिंदगी में पहली दफा किसी नाम को इतनी जोर से पुकारा... शारदा ....ssssss.. और शारदा ने बमुश्किल आंखें खोली और फौरन हाथ से इशारा करते हुए अपनी तर्जनी होठों पर रख ली।... और इस तरह से साहब की जिंदगी से उस दिन उस आखिरी आवाज ने विदा ली। आजकल वे खोजते फिरा करते हैं आवाजों को... वे मानते हैं कि आवाजें हैं तो हम हैं या कि हम हैं तो आवाजें हैं। आवाजें हमारे होने को तस्दीक करती हैं.. या कि कुछ आवाजें खूबसूरत हुआ करती हैं। उनका होना हमारी जिंदगी को सार्थक कर जाता है। आवाजें लहरों से समंदर की छाती पर अलविदा लिख दिया करती हैं। आकाश की पीठ पर बादलों की आवाजें बरसात नहीं... असल में जिंदगी ही तो लिखा करती हैं। **(समाप्त)**

कविता

राकेश कुमार सपड़ा

तकदीर

निहार लेते और दो घड़ी
जो मालूम होता
अब होगी ना मुलाकात हमारी।

कहते दिल की अपनी
सुनते तुम्हारी
ना कहते
मिलेंगे फिर
होते वक्त विदा
रोक लेते तुम्हें
जो होता मालूम
हमेशा को
हो रहे हैं जुदा
अलविदा कहने को भी
होगी ना अब भेंट हमारी।

यादें तुम्हारी
ना दिल से मिटायेंगे
बितेगा सफर यूँ ही
इक रंगी हमारा
ना होगा ओझल
रहेगा बसा आँखों में
वो अक्स तुम्हारा
चलेंगे हम
संग होगा साया तुम्हारा।

काश दे के आवाज तुम्हें
बुला पाते
एहसास अपने जज्बातों का
दिला पाते
पता जो मालूम होता तुम्हारा
भेज के पाती
बहाने से तुम्हें किसी भी
बुला पाते
कसमें जो रह गई हैं अधूरी
वो निभा पाते।

ख्वाबों का ही अब सहारा होगा
हमसफर कोई दूजा ना हमारा होगा
याद में तुम्हारी
नम आँख में जो आँसू होगा
कहने को हमारा
नाम उस पर तुम्हारा ही होगा।

कविता

अंजु कपूर गांधी

नारी

सच कहूं तो हर नारी
जिम्मेदारियों के बोझ तले
खुद के सपनों को दबाए
चलती रही ताउम्र बोझा
अपने सिवाए ,सबका उठाए
थकती पर रुकती नहीं है
चलती जाती
जीवन होम किया
फिर भी
अंत ठगा खुद को है पाती
सबसे बड़ी ठगी तो वो है
खुद से ही जो करती जाती
आती -जाती श्वासों में ये जीवन खेले
इससे पहले मृत्यु निज आगोश में ले
लक्ष्य जो चिन्हित किये थे
उनको पाना याद कर
हैं बची सांसें ये जितनी
अब तो अपने नाम कर
खोल दे बंद मुट्ठियां
ख्वाहिशों को पंख लगा
पांव जमीं पर रहें...
'अंजु' व्योम छू के आ !

लघुकथा

विश्वदीपक त्रिखा

कामवाली बाई

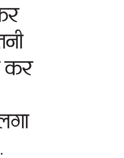

पिछली कामवाली बाई छोड़ गई थी। नई कोई मिल नहीं रही थी। दिक्कत बहुत थी। हम दोनों ऑफिस चले जाते तो घर में बच्चे और बच्चों के दादा-दादी अकेले होते। किसी ने बताया कि दिल्ली में एजेंसी से मिल जाएगी मेड। उनसे बात की। उन्होंने एडवांस पेमेंट ली और उन्हीं का आदमी साथ लेकर आया। एग्रीमेंट पर हमारे हस्ताक्षर करवाए और मेड को छोड़ कर चला गया।

मेड का नाम था लवली। 32/33 की उम्र थी। बंगाल की रहने वाली थी। बंगाली बोलती थी। टूटी-फूटी हिंदी भी बोल लेती थी। दो-चार दिन के बाद उसने मोर्चा संभाल लिया। काम आसान हो गया। खाना बहुत ही अच्छा बनाती थी। और किसी किस्म के नखरे भी नहीं थे। एक साल बाद बोली कि भैया घर जाऊंगी, टिकट बुक करवा दो। मैंने टिकट बुक करवा दी। एक महीने बाद वापस आई तो रो रही थी। बोली भैया रास्ते में टीटी ने 2000 रुपये जुर्माना लगा दिया। आधार कार्ड दिखाया तो कहता टिकिट किसी और के नाम से है।

मैंने कहा, आधार दिखाओ। आधार कार्ड देखा तो उस पर नाम था आबिदा बेगम। टिकट मैंने लवली के नाम से करवाई थी। मेरा काटो तो खून नहीं। मैंने पूछा, लवली आप मुसलमान हो क्या। बोली, हां भैया।

मैं उठ कर दूसरे कमरे में चला गया। मेरी बीवी भी पीछे आ गई। हम दोनों ही परेशान कि ये क्या हुआ हमारे साथ। धोखा ये नहीं कि वो मुसलमान है। धोखा ये कि हमें एजेंट ने या खुद लवली ने ये सब बताया क्यों नहीं। एग्रीमेंट लवली के नाम से ही बना था। हमने उस वक्त आधार देखने की जरूरत ही नहीं समझी। थोड़ी देर में जब हम सदमे से उभरे तो बाहर आकर उसको चाय बनाने के लिए बोला और पहले जैसे ही हंस बोल कर माहौल को हल्का बनाने की कोशिश की ताकि उसको महसूस न हो।

मैं ठहरा ब्राह्मण, वो भी असली वाला और मेरे घर में कामवाली मुसलमान, कुछ समझ नहीं आ रहा था कि क्या करू। उसके गुण देखूं कि उसका धर्म देखूं। जो गुण थे उसमें, उसके सामने उसका धर्म गौण लगा मुझे। मैं कोई सेकुलर नहीं हूं। कट्टर हिंदू हूं लेकिन कुछ रिश्ते इन सब से ऊपर हो जाते हैं। शायद उसका हमारा रिश्ता कुछ ऐसा ही बन चुका था। वो उमर में मेरे से छोटी थी पर डांटती ऐसे थी जैसे कि मेरी मां हो। घर में चलती भी उसी की थी। मैं कभी बीवी को डांट दूं तो मेरे को डांट दिया करती। कभी मेरे से कोई गलती हो जाती तो मेरी खैर नहीं। हमारे घर में क्या कहां पड़ा है सब उसी को पता होता था न कि मेरी बीवी को। एक तरह से वो घर की कंप्लीट केयरटेकर थी। सब वैसे ही चलता रहा। ईद में मेरी बीवी उसके लिए सिवांइया बनवाती। दीवाली में हमारे साथ वो पूजा करती। उसने हमारे घर 16 साल काम किया। कोरोना की दूसरी लहर में घर गई। फिर वापस आई और एक साल और काम किया लेकिन उसके बाद उमर हो गई थी उसकी भी 50 के आसपास। अब काम नहीं होता था उससे। बोली, जाऊंगी वापस घर। मेरी बीवी ने बहुत रोका, बोली रुक जाओ। हमें आपकी आदत सी हो गई है। लेकिन चाहते हुए भी वो नहीं मानी। खैर, इतना ही साथ था हमारा। हम उसको दिल्ली स्टेशन पर छोड़ने गए। ट्रेन चली तो हम तीनों की आंखों में आंसू थे।

साहित्यकार डॉ. सत्यबीर सिंह 'निराला' आधुनिक युग में साहित्य की स्थिति को जटिल, लेकिन अत्यंत रोचक करार देते हुए कहते हैं कि सोशल मीडिया और डिजिटल माध्यमों के विस्तार ने साहित्य की प्रकृति, पहुंच और अभिव्यक्ति के तरीकों को पूरी तरह से बदल दिया है। साहित्य अब केवल शब्दों का खेल नहीं रहा, वह मल्टीमीडिया अनुभव बनता जा रहा है।

साक्षात्कार

ओ.पी. पाल

सामाजिक जीवन को सकारात्मक राह देता साहित्य : डॉ. सत्यबीर 'निराला'

भारतीय संस्कृति में साहित्य को समाज का दर्पण माना जाता है। इसलिए सामाजिक सरोकार के मुद्दों पर लेखन के जरिए साहित्य साधना कर रहे साहित्यकार संस्कृति और परंपराओं और सभ्यता के प्रति समाज को नई दिशा देने का प्रयास कर रहे हैं। डॉ. सत्यबीर सिंह ऐसे ही साहित्यकार हैं, जिन्होंने पद्य, दोहे, वर्णमाला, चौपाई, भजन, हरियाणवी भजन व बारह मास जैसी विधाओं में सामाजिक जीवन को सकारात्मक राह देने का प्रयास किया है।

गद्य और पद्य दोनों प्रारूप को साहित्य संवर्धन का हिस्सा बनाकर उन्होंने हरियाणवी भाषा और संस्कृति को सर्वोपरि रखते हुए कला और संगीत की विधाओं में भी एक कलाकार व गायक और समाजसेवा की भाव के साथ अपनी पहचान बनाई है। हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत में वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. सत्यबीर सिंह 'निराला' ने समाज, खासतौर से युवा पीढ़ी को साहित्य और संस्कृति के प्रति प्रेरित करने पर बल दिया है। वरिष्ठ साहित्कार डॉ. सत्यबीर सिंह 'निराला' का जन्म 24 अक्टूबर 1956 को रोहतक जिले के गाँव निगाना में एक सामान्य कृषक परिवार में बनारसी दास नम्बरदार व सरबती देवी के घर में हुआ। परिवार में पारिवारिक पृष्ठभूमि में कोई साहित्यिक या सांस्कतिक माहौल नहीं था, लेकिन उन्हें बचपन से ही भजन और गीत गाने का बहुत शौक था। हालांकि होश संभालने के बाद मध्यम वर्ग का परिवार होने की वजह उनके जीवन में भी आर्थिक और सामाजिक लक्ष्यों को हासिल करने के लिए संघर्ष करना पड़ा। उन्होंने अल्पायु यानी 14 या 15 वर्ष की उम्र में ही लिखना शुरू कर दिया था। वक्त के साथ जब वह बड़े हुए तो उन्होंने अपनी पढाई के साथ में संगीत की शिक्षा ग्रहण करनी भी जारी रखी और जल्द ही वह बड़ी स्टेजों पर बतौर गायक तथा हारमोनियम वादक के तौर पर कार्य करने लगे। समय के साथ ख्याति बढ़ती गई और उन्हें फिल्मों, नाटकों में गीत लिखने के लिए तथा बतौर संगीतकार के तौर पर कार्य करने के अवसर मिलते रहे, लेकिन कहीं न कहीं मन में एक टीस बाकी थी कि उनकी रचनाएं किस प्रकार आने वाली पीढ़ी को जागरूक करे। इसलिए उन्होंने साहित्य लेखन की तरफ अपने कदम बढ़ाने शुरू कर दिए। साहित्य सृजन करते हुए वह अब तक करीब 78 से ज्यादा पुस्तकें लिख चुके हैं। हालांकि दस पुस्तकें भी प्रकाशित हो चुकी हैं। कवि धर्म संसद में सद्गुरु बाबा हरदेव सिंह जी महाराज ने शुभ आशीष देते हुए उन्हें साल 1990 में 'निराला' उपाधि से नवाजा। हालांकि घर परिवार की जिम्मेदारियों को निभाने के लिए सरकारी नौकरी करने तथा साहित्य लेखन व संगीत के कार्य में सामंजस्य बैठाने में वास्तव में उन्हें बेहद परेशानी का सामना करना पड़ा, लेकिन हरियाणा सरकार के जनस्वास्थ्य अभियांत्रिक, जल आपूर्ति विभाग से सेवानिवृत्ति के बाद खासतौर से साहित्यिक क्षेत्र की दृष्टि से उन्हें बड़ी राहत मिली। इसलिए अब वह लगातार दिन-रात साहित्य सृजन तथा साहित्यिक गतिविधियों में इतना व्यस्त रहने लगे और अब तक वह करीब 75 से ज्यादा पुस्तकें लिख चुके हैं। साहित्य और संगीत में पीएचडी की मानद उपाधि हासिल कर चुके डॉ.सत्यबीर सिंह, आमतौर पर उनके लेखन का फोकस हर विषय पर रहा है, लेकिन सामाजिक सरोकार से जुड़े मुद्दों, अध्यात्म एवं जनजागृति पर आधारित रचनाओं पर ज्यादा कलम चलाई है। साहित्य सृजन के अलावा वह सामाजिक गतिविधियों में भी सक्रीय हैं और निराला चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक निदेशक के रूप में वह महिला सशक्तिकरण की दिशा में अब तक 150 महिलाओं एवं लड़कियों को निःशुल्क एडवांस बेसिक कंप्यूटर कोर्स और बेसिक कंप्यूटर कोर्स करवाए जा चुके हैं। वहीं पौधरोपण, रक्तदान आदि गतिविधियों तथा धर्म प्रचार-प्रसार कार्यों में अहम वह लगातार अपनी भूमिका निभा रहे हैं। डॉ. सत्यबीर सिंह 'निराला' ने बताया कि वह अब तक हरियाणवी भाषा में 250 से ज्यादा गीत, कविताएं लिख चुके हैं, जिसमें उनकी एक पुस्तक 'टूटता तारा' हरियाणवी भाषा मे प्रकाशित हो चुकी है। बतौर संगीतकार, गीतकार, गायक एवं अदाकार के रूप में कई हरियाणवी फिल्मों, टेलीफिल्मों तथा नाटकों में कार्य किया। वे कहते हैं कि साहित्यकारों को अपनी रचनाओं और लेखों को रोचक व प्रासंगिक बनाने के लिए विज्ञान, राजनीति, समाजशास्त्र के साथ साहित्य का संवाद स्थापित करना होगा।

प्रकाशित पुस्तकें

निराला' ने अब तक हिंदी व हरियाणवी भाषा में 75 से ज्यादा पुस्तकें लिखी हैं। इनमें प्रमुख रूप से आइना - ए-निराला, सत्य की ओर, दरकते-रिश्ते, अदालत, प्यार का पैगाम,घटता आँचल, टूटता तारा (हरियाणवी), संत बाबा मेहरशाह (ग्रंथावली) शामिल हैं। उनकी साझा संग्रह पुस्तकों में 'पौत्र प्रभाविकरण', 'तनै कर दिया इसा कमाल', 'गुरु कृपा', 'संस्कारों की क्यारी', 'प्यारा नंद लाला', 'भारत माता की जय', 'मेघा पुष्प', 'कविता कौमुदी' के अलावा प्रकाशनाधीन साझा संग्रह पुस्तक 'एकता', 'बेरहम' और 'महिलाओं की प्रधानता और नेतृत्व' शामिल हैं।

डॉ.सत्यबीर सिंह 'निराला'

पुरस्कार व सम्मान

डॉ. सत्यबीर को हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी से 'हरियाणवी भाषा के विकास की संभावनाए' विषय पर प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया। उनको प्रमुख रूप से राष्ट्रीय साहित्य रत्न सम्मान, राष्ट्रीय कबीर कोहिनूर सम्मान, 'बाल अधिकार साहित्य सम्मान, अटलश्री सम्मान, विधा भास्कर निराला सम्मान, कवि महेन्द्र सिंह नंबरदार स्मृति सम्मान, मिसरी-जुगलाल स्मृति साहित्य श्री सम्मान, निर्मला स्मृति हरियाणा गौरव साहित्य सम्मान, प्रकृति गौरव सम्मान, संस्कृति प्रेमी सम्मान, सनातन धर्म और साहित्य सम्मान शामिल हैं।

व्यक्तिगत परिचय

नाम :डॉ. सत्यबीर सिंह 'निराला'
जन्मतिथि :24 अक्टूबर 1956
जन्म स्थान :गांव निगाना, रोहतक (हरियाणा)
शिक्षा : इंटरमिडिएट, पीएचडी उपाधि
संप्रति : साहित्यकार, संगीतकार, गायक एवं समाजसेवी, जल आपूर्ति विभाग से सेवानिवृत्त।

वेदना और संवेदना का मिश्रित रंग है अमूर्त काल

पुस्तक : अमूर्त काल
लेखक : अजय रोहिल्ला
मूल्य : 350 रुपये
प्रकाशक : आधार प्रकाशन

पुस्तक समीक्षा

भारत भूषण शर्मा

अजय रोहिल्ला एक विद्रोही वजूद का मानवीय नाम है, जो उनकी सोच, समझ और स्वभाव का प्रतिबिंब बनकर, कभी उन्हें रंगमंच का कलाकार, कभी निर्देशक, कभी सिल्वर स्क्रीन पर एक सक्षम अभिनेता तो कभी चित्रकार के रूप में सामने लाता है। उनके विद्रोही और आक्रामक स्वभाव का एक नया रूप कवि के रूप में देखने को मिला है।

उनका कविता संग्रह 'अमूर्त काल' के रूप में हमारे सामने है। हालांकि, अजय की कविताओं को मैंने इस संग्रह से हटकर भी पढ़ है। कई संदर्भों में महसूस किया है। अजय रोहिल्ला की कविताओं को समझने से पूर्व यदि उनके कविता संग्रह 'अमूर्त काल' के शाब्दिक, व्याकरणिक अर्थ को समझ लेंगे तो इन रचनाओं को समझने में आसानी होगी। 'अमूर्त काल' यानि जो किसी स्पष्ट क्रिया या निश्चित समय का संकेत नहीं देते, बल्कि किसी कार्य की सामान्य स्थिति, इच्छा भावना या संभावना को प्रकट करते हैं। कविता संग्रह 'अमूर्त काल' एक गूढ़ अवधारणा है, जो कवि को समय की सीमाओं पर जाकर अनुभूति, स्मृति, कल्पना और भावना के माध्यम से व्यक्त करने की स्वतंत्रता देती है। उपरोक्त व्याकरणिक परिभाषा के अनुरूप अजय रोहिल्ला अपनी सोच, अपनी काल्पनिकता और अपने विद्रोही तेवरों को कविताओं के माध्यम से उकेरने में सफल हुए हैं। उनके कविता कौशल के कुछ शानदार, उद्वेलित करने में सक्षम नमूने देखिए-

युद्ध एक काला घाव
जो आकाश फटता है
उसके छींटें
हड्डियों की चीख, बारूद की गंध
पर नजर पड़ते ही
वह घाव सिकुड़ता है
और कीचड़ में खिल उठता है कमल
जो रात के स्वप्न में तैरता है...

इनके अलावा भी बहुत सी घायल संवेदनाएं, आहत अहसास और सहमी हुई सिसकियां हैं, जो अजय रोहिल्ला के 'अमूर्त काल' में उसने वेदना और संवेदना के मिश्रित रंगों से उकेरी हैं। 'अमूर्त काल' में छपी उसकी सभी रचनाओं के केंद्र में विश्व मंच पर लगातार हो रहे इंसानियत के ह्रास की तस्वीर नजर आती है। इस कविता संग्रह को उस शख्स को एक बार तो अवश्य पढ़ लेना चाहिए, जो समाज और समय में संक्रमित हो रहे संदर्भों से विचलित होने में सक्षम हो, जिसके अंदर इंसानियत को जिंदा रखने की ललक भी हो।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

खबर संक्षेप

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का भव्य-भक्तिमय आयोजन

गन्नौर। ऋषि चैतन्य आश्रम में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का भव्य और भक्तिमय आयोजन परम पूज्या गुरुदेव आनंदमूर्ति गुरुमाँ के सान्निध्य में किया गया। देश-विदेश से हजारों श्रद्धालु इस पावन अवसर पर एकत्रित हुए और श्रीकृष्ण की अनुपम जीवन लीला में निहित प्रेम, भक्ति एवं आनंद का रसास्वादन किया। गुरुमाँ ने कहा, भगवान श्री कृष्ण की उस आकर्षण शक्ति को अपने भीतर, अपने मन में महसूस करिए। भाव से देखें तो यहीं गोकुल है यहीं वृंदावन है, वही सुंदर कृष्ण बाल रूप से बाहर भी है और आत्मरूप से आप में हो विराजमान है।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व उत्साह पूर्वक मनाया

सोनीपत। ज्ञान गंगा ग्लोबल स्कूल (जी-3) में नन्हे-मुन्ने बच्चों ने राधा-कृष्ण बनकर श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व उत्साह पूर्वक मनाया। स्कूल में आयोजित श्रीकृष्ण जन्माष्टमी उत्सव में बच्चों ने रंगारंग कार्यक्रमों से भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं का मंचन किया। छोटे-छोटे बच्चे राधा-कृष्ण, गोपियां, सुदामा, वासुदेव-देवकी आदि बनकर आए और राधा-कृष्ण के भजनों पर नृत्य किया। रंग-बिरंगे परिधानों में सजे बच्चों ने भगवान श्रीकृष्ण के जन्म पर आधारित एक आकर्षक नाटिका का मंचन किया, जिसमें करुणा, प्रेम और बुराई पर अच्छाई की जीत जैसे शाश्वत मूल्यों को दर्शाया गया।

भारतीय किसान संघ की बैठक संपन्न

गन्नौर। भारतीय किसान संघ सोनीपत की जिला बैठक रविवार को गन्नौर में जिला कोषाध्यक्ष तरुण प्रताप त्यागी के निवास स्थान पर आयोजित की गई। बैठक की शुरुआत खंड प्रशिक्षण वर्ग के संपन्न होने के उपरांत हुई। बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों, आगामी कार्ययोजना तथा संघ के शताब्दी वर्ष को लेकर विशेष चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष शमशेर छिकारा ने की। संगठन को और मजबूत करने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण नियुक्तियां भी कीं। गन्नौर क्षेत्र से विनोद त्यागी को नया गन्नौर खंड अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

सफाई कर्मियों ने जयहिन्द का किया सम्मान

रोहतक। नगर निगम के सफाई कर्मचारियों ने अपनी तीन महीने से रुकी हुई तनख्वाह मिलने और नौकरी से हटाए जाने का संकट टलने पर रविवार को सामाजिक कार्यकर्ता नवीन जयहिन्द का आभार जताया। सभी कर्मचारी सामूहिक रूप से उनके निवास पर पहुंचे और फूल मालाओं से उनका स्वागत कर मिठाई खिलाकर सम्मानित किया।गौरतलब है कि पिछले दिनों सफाई कर्मचारियों ने तनख्वाह और नौकरी की सुरक्षा को लेकर विरोध प्रदर्शन किया था। इस दौरान नवीन जयहिन्द ने समर्थन करते हुए प्रशासन के समक्ष मजबूती से आवाज उठाई थी।

सैमाण में सतगुरु मंदिर की जमीन के मुद्दे पर हुई पंचायत

महम। रविवार को सैमाण गांव के सतगुरु मंदिर में ग्रामीणों की एक पंचायत हुई। इस दौरान मंदिर की जमीन के मालिकाना हक को लेकर चर्चा की गई। पंचायत आयोजकों ने बताया कि मंदिर की जमीन महंत के नाम पर होने वाली है। इस पर महंत सतीश दास ने बताया कि मंदिर के नाम पर पहले से कोई जमीन नहीं है। यह जमीन गुरु चेला परंपरा के तहत धौलीदार के हिसाब से चलती आ रही है। अब वे इस जमीन के धौलीदार हैं। उनसे पहले जो महंत थे, तब वे जमीन की देखरेख करते थे। मेरे बाद जो महंत होगा, वह इसकी देखरेख करेगा। जमीन कहीं नहीं जा रही। महंत सतीश दास ने कहा कि उन्होंने अपने कार्यकाल में मंदिर की जमीन को बढ़ाया है।

साउथ पॉइंट डिग्री कालेज में धूमधाम से मनाई जन्माष्टमी

जन्माष्टमी हमारी संस्कृति और परंपराओं से जुड़ाव का प्रतीक

- विद्यार्थियों ने उत्साह और जोश के साथ पिरामिड बनाकर हांडी फोड़ी

साउथ पॉइंट ग्रुप के चेयरमैन ने विजेताओं को किया पुरस्कृत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

साउथ पॉइंट डिग्री कालेज और साउथ पॉइंट कॉलेज ऑफ लॉ में जन्माष्टमी पर्व हर्षोल्लास से मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित दही हांडी प्रतियोगिता ने कार्यक्रम की रौनक बढ़ा दी। प्रतियोगिता में पांच टीमों ने भाग लिया और शानदार प्रदर्शन कर अपनी शारीरिक शक्ति व टीम भावना का परिचय दिया। विजेता टीम को विशेष पुरस्कार प्रदान किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान श्रीकृष्ण की वंदना और झांकियों के साथ हुई। इसके बाद दही हांडी प्रतियोगिता ने दर्शकों का मन मोह लिया। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विद्यार्थियों ने उत्साह और जोश के साथ पिरामिड बनाकर दही हांडी फोड़ी। साउथ पॉइंट ग्रुप के चेयरमैन दिलबाग सिंह खत्री ने कहा कि जन्माष्टमी केवल धार्मिक पर्व नहीं बल्कि हमारी संस्कृति और परंपराओं से जुड़ाव का प्रतीक है। दही हांडी जैसी प्रतियोगिताएं युवाओं में साहस, एकता और सहयोग की भावना को मजबूत करती हैं। एग्जीक्यूटिव चेयरमैन रोहित खत्री ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों को अपनी छिपी प्रतिभा दिखाने और शारीरिक क्षमता का परिचय देने का अवसर प्रदान करते हैं। वाइस चेयरपर्सन वर्तिका खत्री, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर डॉ. ममता सचदेवा, सीईओ भावना कालरा ने विद्यार्थियों का हौंसला बढ़ाया। कार्यक्रम के समापन पर विजेता टीमों को पुरस्कार प्रदान किए गए।

सोनीपत। साउथ पॉइंट में कार्यक्रम के दौरान दही हांडी प्रतियोगिता में हिस्सा लेते विद्यार्थी।

सोनीपत। कार्यक्रम का उद्घाटन करते सीनियर डिप्टी मेयर राजीव सरोहा।

सभी के सुख, शांति और समृद्धि के लिए प्रार्थना की

सोनीपत। जन्माष्टमी के शुभ अवसर पर सोनीपत नगर निगम के सीनियर डिप्टी मेयर राजीव सरोहा ने ग्राम सुधार ड्रामेटिक क्लब, राठधना द्वारा आयोजित धार्मिक कार्यक्रम का उद्घाटन किया। यह कार्यक्रम पड़ंगा पन्ना, गांव राठधाना में आयोजित किया गया था। राजीव ने प्रिंस सरोहा के साथ मिलकर फीता काटकर विधिवत रूप से कार्यक्रम की शुरुआत की। सभी के सुख, शांति और समृद्धि के लिए प्रार्थना की। गांव के बच्चों ने सांस्कृतिक और धार्मिक नृत्य प्रस्तुत किए, जिन्होंने दर्शकों का मन मोह लिया। राजीव ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए ग्राम सुधार ड्रामेटिक क्लब की पूरी समिति को बधाई दी।

तीन दिवसीय वार्षिकोत्सव का समापन

- आर्य समाज सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण में अहम भूमिका निभा रहा : कादियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

किशनपुरा स्थित आर्य समाज मंदिर में जन्माष्टमी और वार्षिकोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित तीन दिवसीय कार्यक्रम का समापन रविवार को हुआ। यज्ञ, भजन और प्रवचनों का आयोजन किया , जिसमें श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में भजनोपदेशक आचार्य प्रमोद, पं. रामनिवास आर्य, संतोष आर्या और सत्य दिवान ने भक्ति रस से सराबोर भजन प्रस्तुत किए। यज्ञ के बाद प्रवचन हुए, जिसमें जीवन मूल्यों और धार्मिक आचरण पर प्रकाश डाला गया। मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में पहुंचे विधायक देवेंद्र कादियान ने यज्ञ में आहुति दी और श्रद्धालुओं को संबोधित करते कहा कि आर्य समाज सामाजिक सुधार और सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण में अहम भूमिका निभा रहा है। सुरेश बत्रा, अमृत मोहन हांडा, भारत भूषण आर्य, सुमन सहाय मल्होत्रा, अमित बत्रा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

विधायक देवेंद्र का वार्षिकोत्सव के समापन पर पहुंचने पर स्वागत करते हुए ।

पूर्ण मूर्ति ग्लोबल स्कूल में भगवान कृष्ण व राधा की वेशभूषा में सजी छात्राएं।

पूर्ण मूर्ति ग्लोबल स्कूल में जन्माष्टमी

सोनीपत। पूर्ण मूर्ति ग्लोबल स्कूल, कामी रोड में बड़े ही धूमधाम से श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का त्योहार मनाया गया। इस दौरान छोटे-छोटे बच्चों ने राधा-कृष्ण का रूप धारण कर सभी का मन मोह लिया। बच्चों ने मटकी फोड़कर व माखन खाकर श्रीकृष्ण के नटखट रूप की झलक भी दिखायी। छात्राओं ने राधा व ब्रज की गोपियों की आकर्षक भूमिका निभाकर सभी को प्रभावित किया। अवसर का विशेष आकर्षण 'दही हांडी' का आयोजन रहा, जिसमें छात्रों ने पारंपरिक उत्साह के साथ अपनी फुर्ती और टीम भावना का परिचय दिया। पूर्ण मूर्ति कैंपस के चेयरमैन डॉ.विजयपाल नैन, सचिव गौतम नैन, स्कूल की प्राचार्या हिमानी दहिया व उप प्राचार्य वरुण ने विद्यार्थियों का हौसला बढ़ाया व कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों को श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव की शुभकामनाएं दी। माखन चोर कृष्ण की नटखट लीलाओं, जेल में कृष्ण का जन्म, राधा व गोपियों संग रास रचाते और गाय चराते कृष्ण के विभिन्न रूपों को विद्यार्थियों ने झांकी के माध्यम से दर्शाया।

जजपा झूठे प्रेस नोट जारी करना बंद करें : गहलावत

सोनीपत। इंडियन नेशनल लोकदल पार्टी के जिला अध्यक्ष कुणाल गहलावत ने रविवार को जजपा पार्टी को घेरते कहा कि जजपा झूठे प्रेस नोट जारी करना बंद करें। इनेलो महिला अध्यक्ष सरोज बेनीवाल इनेलो पार्टी के साथ है साथ रहेंगी, वे चौधरी अभय सिंह चौटाला के हर कार्यक्रम में बड़ चढ़ कर भाग लेंगी। जेजेपी द्वारा झूठा प्रेस नोट जारी करने पर इनेलो नेता ने नाराजगी जाहिर करते कहा जेजेपी वाले अपने कार्यशाली को सुधारे। रविवार को महिला नेत्री सरोज बेनीवाल ने वीडियो जारी करके जजपा के झूठ का पर्दाफाश किया। गहलावत ने कहा इनेलो सुप्रीमो अभय सिंह चौटाला 20-21 को जिले में कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करेंगे। 20 को खरखोदा मिलन वाटिका में 12 बजे बैठक लेंगे। शाम 4:00 बजे सेक्टर 33 से गौरी शंकर वाटिका राठधना में सोनीपत हल्के में कार्यकर्ताओं की बैठक लेंगे।

पौधरोपण करने का किया आह्वान

गन्नौर। पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गांव सांदल कलां में पौधारोपण अभियान की शुरुआत की गई। अभियान का शुभारंभ थाना बड़ी के प्रबंधक इंस्पेक्टर महेश कुमार ने पौधा लगाकर किया। इसके बाद सभी ने मिलकर पौधे लगाए और ग्रामीणों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इंस्पेक्टर महेश कुमार ने कहा कि वर्तमान समय में पौधारोपण केवल औपचारिकता नहीं बल्कि जीवन बचाने का संकल्प है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे लगाए गए पौधों की देखभाल अपने बच्चों की तरह करें, तभी यह अभियान सफल होगा। गौशाला प्रधान सतपाल ने कहा कि हर व्यक्ति को प्रतिवर्ष कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए मनीष ट्री मैन ने कहा कि मिलकर गांव-गांव हरियाली बढ़ाने का संकल्प लेना चाहिए। सहायक उपनिरीक्षक जसबीर सिंह, नीतिन राजपाल, गांव के नंबरदार राज सिंह, गौशाला प्रधान सतपाल आदि मौजूद थे।

थाना बड़ी के प्रबंधक इंस्पेक्टर महेश ने पौधा लगाकर अभियान की शुरुआत करते हुए ।

शहीद मदनलाल धींगड़ा को उनके शहीदी दिवस पर नमन करते।

शहीद मदनलाल धींगड़ा को किया नमन

गोहाना। रविवार को शहीद मदनलाल धींगड़ा को उनके 16वें शहीदी दिवस पर श्रद्धांजलि दी गई। समारोह पुरानी सब्जी मंडी गोहाना के समीप शहीद मदनलाल धींगड़ा पार्क में आयोजित हुआ। समारोह में नागरिकों ने मदनलाल धींगड़ा की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करके नमन किया। समारोह की अध्यक्षता पार्क सुधार सभा के अध्यक्ष जगदीश चिन्दा ने की। मुख्य वक्ता आजाद हिंद देशभक्त मोर्चा के मुख्य संरक्षक आजाद सिंह दांगी ने कहा मदलाल ढींगरा भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के एक महान एवं प्रथम क्रांतिकारी थे। इंग्लैंड में अपनी पढ़ाई के दौरान उन्होंने अंग्रेज अधिकारी सर विलियम कर्जन वाली की हत्या कर दी थी। इस आरोप में 17 अगस्त 1909 को लंदन में उनको फांसी दे दी गई। जगदीश चिंदा ने कहा भारतीय स्वतंत्रता की चिंगारी को अग्नि में बदलने का श्रेय महान शहीद मदनलाल धींगड़ा को जाता है। इस वीर ने ब्रिटिश साम्राज्य को अपने बलिदान से कंपकपा दिया था। बड़े खेद की बात है सरकार आज तक उनके जन्म स्थान पर उसका स्मृति स्मारक नहीं बना पाई।

वाहनों के काफिले को किया रवाना

खरखौदा। विधायक पवन खरखौदा के नेतृत्व में रविवार को वाहनों का लंबा काफिला दिल्ली में अर्बन एक्सटेंशन रोड- दो (यूईआर) व द्वारका एक्सप्रेसवे उद्घाटन समारोह के लिए रवाना हुआ। विधायक स्वयं काफिले के साथ समारोह स्थल पर पहुंचे। इससे पहले उन्होंने वाहनों के काफिले को झंडी दिखाकर रवाना किया। अपने संबोधन में विधायक पवन खरखौदा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश निरंतर उन्नति कर रहा है। पूरे देश में एक्सप्रेसवे का जाल बिछाया जा चुका है। जिससे आवागमन बहुत ही सुगम हो चुका है। जिस मार्ग पर दो से 3 घंटे लगते थे। अब वहां तक पहुंचने में 30 से 50 मिनट का समय लगता है। जल्द ही जम्मू कटरा एक्सप्रेस वे भी शुरू होगा और 12 से 14 घंटे का रास्ता मात्र 6 से 8 घंटे में पूरा कर सकेंगे। इस मौके पर मंडल अध्यक्ष नरेश पाराशर, पार्षद संजय पंवार, मुकेश, पूर्व पार्षद श्यामपाल सैनी, नरेंद्र जांगड़ा सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

खरखौदा। वाहनों के काफिले को रवाना करते विधायक पवन खरखौदा।

गोहाना। पौधरोपण करते संगठन के सदस्य। *फोटो : हरिभूमि*

फलदार 152 पौधे लगाए

गोहाना। गोहाना को ग्रीन सिटी बनाने के साप्ताहिक अभियान के तहत समाज कल्याण संगठन द्वारा रविवार को अर्जुन, नीम, जामुन, बोतल ब्रश, शीशम, सरस और जंगली जलेबी के 152 पौधे रोपे। पौधारोपण सेक्टर-7 में किया । अध्यक्ष आनंद जांगड़ा के अनुसार संगठन द्वारा गोहाना को पूर्ण रूप से हरा-भरा बनाने के लिए अपने अभियान को तेज किया गया है। संगठन को शहर में जहां भी उपयुक्त स्थान मिलेगा वहीं पर पौधारोपण किया जाएगा। रविवार को संगठन द्वारा नए पौधे रोपने के साथ पुराने पौधों की निराई-गुड़ाई भी की गई। नए पौधों को ट्री गार्डों में संरक्षित किया गया ताकि उनको पशु नुकसान न पहुंचाएं। पौधारोपण में मनोज प्रजापति, बलजीत जांगड़ा, सुनील, धर्मवीर सिंह, दलबीर, डॉ. बिजेंद्र, कृष्ण सिवाच, संजय दूहन, प्रवीण, अभिमन्यु और अशोक ने सेवाएं दी।

सोनीपत। कार्यक्रम के दौरान लोगों को सामान वितरित करते हुए।

बच्चों ने दी शानदार प्रस्तुति

सोनीपत। श्रीराम शरणम् आश्रम सेक्टर 15 में श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव कृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर आश्रम में चल रहे गीता ज्ञान यज्ञ की पूर्णाहुति सम्पन हुई। आश्रम प्रमुख नवरत्न चोपड़ा ने साधकों को भगवान श्रीकृष्ण के उपदेशों तथा लीलाओं का विस्तार से वर्णन किया। इस अवसर पर श्री राम सेवा आश्रम के स्कूल के बच्चों ने सुंदर झांकियां प्रस्तुत करते हुए भगवान श्रीकृष्ण के भजन भी गाकर कर सभी साधकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर जरूरतमंद परिवारों को खाद्य सामग्री के पैकेट्स भी वितरित किए गए तथा स्कूल की सभी बच्चों को स्कूल बैग प्रदान किए गए। इस अवसर रमन कालरा, जतिंदर रेलन, कृष्ण लूथरा, रमेश कपूर, प्रेम बत्रा, अश्वनी टुटेजा, प्रदीप गुप्ता, आदि बहुत से साधक उपस्थित रहे।

कैंप में 71 युवाओं ने किया रक्तदान

- रक्तदान महादान है, समय-समय पर करते रहना चाहिए : कादियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

स्वतंत्रता दिवस के अवसर एसआरके स्किल सेंटर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ गन्नौर के विधायक देवेंद्र कादियान ने किया। शिविर में 71 युवाओं नेरक्तदान किया। विधायक देवेंद्र कादियान ने रक्तदान को जीवनदान बताते हुए सभी को नियमित रक्तदान करने के लिए प्रेरित किया। कादियान ने कहा कि रक्तदान महादान है इसलिए समय-समय पर करते रहना चाहिए । विशिष्ट अतिथि जैन गर्ल्स कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मनोज, ए.एस.आई कृष्ण कुमार, समाजसेवी अंकित मल्होत्रा, मंच एंकर अरुण गोस्वामी ने शिरकत कर रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाया। एसआरके कंप्यूटर सेंटर के संचालक जोगेंद्र ने प्रेरणादायी शब्दों से सभी का उत्साह बढ़ाया और स्वयं रक्तदान कर लोगों को इस पुनीत कार्य के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में एसआरके कंप्यूटर सेंटर स्टाफ अंजलि, रितु, रेखा, पूजा, लतिक्षा, अशोक कुमार का विशेष योगदान रहा। रक्तदान शिविर में उत्साह और सेवा भाव के साथ बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए और मानवता की मिसाल पेश की।

गन्नौर। विधायक देवेंद्र कादियान, सेंट्रल संचालक जोगिंदर, समाजसेवी अंकित मल्होत्रा रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाते हुए । *फोटो :हरिभूमि*

खरखौदा। मनिंदर जीत सिंह बिट्टा से मुलाकात करते खाप प्रतिनिधि।

प्रतिनिधि मंडल ने की मनिंदर से मुलाकात

खरखौदा। मनिंदर जीत सिंह बिट्टा से दहिया खाप का एक प्रतिनिधि मंडल दिल्ली में उनसे मिला। हाल ही में दिल्ली पुलिस में इंस्पेक्टर रोहतास सिंह दहिया के सम्मान में आयोजित समारोह में उन्हें आमंत्रित किया गया था। बेशक वे व्यक्तिगत रूप से उपस्थित नहीं हो सके थे, तथापि उन्होंने वर्चुअल माध्यम से दहिया खाप के चबूतरे पर अपना संबोधन दिया था और रोहतास सिंह दहिया को शुभकामनाएं थीं। बिट्टा ने खाप को अपने दिल्ली स्थित आवास पर आमंत्रित किया। इसके बाद दहिया खाप का प्रतिनिधिमंडल उनसे मिलने पहुंचा। इस मुलाकात के दौरान दोनों पक्षों के बीच आपसी समझ और सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई। उन्होंने आश्वस्त कि जब भी दहिया खाप उन्हें बुलाएगी वे गांव में पहुंचेंगे। उनसे मुलाकात करने वालों में ग्राम पंचायत सिसाना के सरपंच प्रतिनिधि सुरेश दहिया, सरपंच ग्राम पंचायत सिसाना - दो के प्रतिनिधि मोहित दहिया, बारहा तपे के प्रधान मास्टर राजेंद्र, चौबीसी के प्रधान उमेश दहिया, प्रधान बीरबल सेहरी, राजेंद्र दरोगा, आनंद नंबरदार, दिलावर सिसाना, हरयाणा आर्य प्रतिनिधि सभा के पूर्व प्रधान मास्टर रामपाल आर्य आदि मौजूद रहे।

कार्यक्रम — ईदगाह के मदरसे में रक्तदान शिविर का किया आयोजन

जीवन में हर व्यक्ति को स्वस्थ रहने के लिए रक्तदान करते रहना चाहिए : राजीव जैन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

रक्त का कोई विकल्प नहीं है, इसलिए रक्त की पूर्ति रक्तदान से ही हो सकती है, रक्तदान महादान है, हर व्यक्ति को स्वस्थ रहने के लिए भी रक्तदान करते रहना चाहिए। रक्तदान से मौत एवं जिंदगी के बीच झूलते व्यक्ति की जान बचाई जा सकती है।

उक्त विचार नगर निगम मेयर राजीव जैन ने रविवार को ईदगाह के मदरसे में आयोजित रक्तदान शिविर का पार्षद नीतू दहिया के साथ उद्घाटन करने के बाद व्यक्त किये। शिविर में 82 नागरिकों ने रक्तदान करके पुण्य कराया। उन्होंने रक्तदाताओं को प्रशस्ति प्रमाण पत्र वितरित कर एवं बैज लगाकर उत्साहवर्धन किया। इस मौके पर पार्षद नीतू दहिया भी विशेष रूप से मौजूद रही। वहीं देवडू गांव की हरिजन चौपाल में रविदास सभा द्वारा आयोजित भंडारे में पहुंचकर राजीव जैन ने बाबा साहब भीमराव अंबेडकर तथा संत रविदास के चित्र के सामने दीप प्रज्वलन कर पुष्प अर्पित किये। उन्होंने कहा कि बाबा साहब एवं संत रविदास के पदचिन्हों पर चलकर ही समाज संगठित हो सकता है, और समाज का कल्याण भी तभी संभव है।

सोनीपत। रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाते मेयर राजीव जैन साथ में पार्षद नीतू दहिया एवं अन्य।

ये रहे मौजूद

भंडारे में पार्षद मुकेश सैनी, अंग्रेज कुमार, आजाद सिंह सौदा, करण सिंह, डॉ. सुरेंद्र, निक्कू, राजू, राजकुमार, रामफल, रोहतास, मेहर सिंह, सतबीर, मंगल सिंह, डॉ. धर्मेंद्र, संजय उपस्थिति रहे।

सोनीपत। मदन लाल ढींगरा के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए। *फोटो :हरिभूमि*

मदन लाल और विक्रम को दी श्रद्धांजलि

सोनीपत। शहीद कप्तान विक्रम बत्रा पार्क सुभाष चौक में रविवार को अमर बलिदानी मदन लाल ढींगरा की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया और अमर शहीद मदन लाल ढींगरा और कप्तान विक्रम बत्रा को माल्यार्पण किया गया। भाजपा नेता संजीव वलेचा ने दीप जलाकर माल्यार्पण किया और श्रद्धांजलि दी। उन्होंने भविष्य में ऐसे कार्यक्रम विद्यालय में आयोजित करने की आवश्यकता पर बल दिया, जिससे नई पीढ़ी भी हमारे शहीदों से परिचित हो सके। संघ प्रधान सतीश विरमानी ने शहीद मदन लाल ढींगरा की जीवनी के बारे में सभी सदस्यों को अवगत करवाया और माल्यार्पण करते हुए श्रद्धांजलि दी। सचिव एसडी भाटिया ने पंजाबी गौरव संघ के किए गए कार्यों के बारे में बताया और श्रद्धांजलि दी। संयोजक पवन बत्रा, अशोक सहगल, अशोक कपूर, गुलशन ठक्कर, विजय खेड़ा, प्रदीप वाधवा, रमेश कमरा, राजकुमार, सतीश तनेजा, महेंद्र, विनय कुमार, चंद्र भान तनेजा उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

ट्रक ने ऑटो को मारी टक्कर, दो घायल

सोनीपत। राठधना गांव में एक तेज रफ्तार ट्रक ने आटो को टक्कर मार दी। हादसे में आटो सवार एक महिला और युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। जबकि कई अन्य सवारी भी चोटिल हुई। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। ग्रामीणों ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। शिकायत पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

रुपयों के लेनदेन में तेजधार हथियार से हमला

गोहाना। बुसाना गांव में रुपयों के लेनदेन में ग्रामीण पर तेजधार हथियार (दरांती) से हमला किया गया। आरोपी ने ग्रामीण द्वारा एक हजार रुपए मांगने पर खेत में ही घटना को अंजाम दिया। इसको लेकर सदर थाना में नामजद आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है।

कबीर भवन व कश्यप चौपाल का निर्माण शुरू

सोनीपत। गांव माहरा में रविवार को सरपंच पूनम देवी ने कबीर भवन व कश्यप चौपाल के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। पूनम देवी ने कहा कि प्रदेश सरकार ने पंचायतों को काम करवाने की अनुमति दी है, जिसकी वजह से गांवों में विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। इस मौके पर सचिन पंच, मनीषा पंच, बिजेंद्र पंच, बिजेंद्र मलिक पंच, प्रमिला पंच, राजेश पंच आदि मौजूद रहे।

मादक पदार्थ तस्करी में तीसरा आरोपी गिरफ्तार

खरखौदा। पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी की घटना मे शामिल तीसरे आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी सावन निवासी गांव अहर पानीपत का रहने वाला है। 10 अगस्त को पुलिस जानकारी मिली थी कि कुराड निवासी एक युवक प्रिंस सिलाना फरमाणा मार्ग रिढाऊ मोड़ पर खड़ा है। जिसके पास एक पिट्ठू बैग में नशीला पदार्थ हो सकता है। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर शक के आधार पर युवक को काबू करके पिठ्ठू बैग की जांच की तो उसमें एक खाकी पन्नी बरामद हुई । जिसमें 4 किलो 30 ग्राम नशीला पदार्थ गांजा बरामद हुआ था।

गाड़ी का शीशा तोड़कर नकदी चुराने वाला पकड़ा

गोहाना। थाना शहर गोहाना की पुलिस ने गाड़ी का शीशा तोड़ कर नकदी चोरी की घटना में आरोपित आर्य नगर के विकास को गिरफ्तार किया। न्यायालय के आदेश पर उसे न्यायिक हिरासत में भेजा गया। गांव मुंडलाना के सुनील कुमार ने छह अगस्त को पुलिस को शिकायत दी थी कि उसका मामा गंगाविशन शहर के एक निजी अस्पताल में दाखिल था। वह मामा के उपचार के लिए दुकान से एक लाख रुपये लेकर आया था। उसने रुपये को स्कार्पियो में हैंडरेस्ट में रखे थे। इसी दौरान गाड़ी का शीशा तोड़ कर एक लाख रुपये चोरी कर लिए।

खंड स्तरीय खेलों में जेएलएन स्कूल के खिलाड़ी छाए

योगा स्पर्धा में शुभम, छायांक, रौनक जतिन और लक्ष्य ने जीता स्वर्ण पदक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

खंड स्तरीय खेलों में जेएलएन वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गोहाना के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। खेलों में पदक विजेताओं को विद्यालय में सम्मानित किया गया। मार्गदर्शन विद्यालय की प्रबंधक कृष्णा देवी का रहा। संयुक्त अध्यक्षता एमडी सुनील शर्मा और प्राचार्य डॉ. सचिन शर्मा ने की। संयोजन उप प्राचार्य सूरत शर्मा का रहा। मुक्केबाजी प्रतियोगिता में अमानत ने 40-42 किलोग्राम भारवर्ग, विजय ने 40 किलोग्राम भारवर्ग, वाशु ने 46-48 किलोग्राम भारवर्ग, वंश ने 50 किलोग्राम भारवर्ग, नितिन ने 56-60 भार वर्ग और जतिन ने 52 किलोग्राम भारवर्ग में स्वर्ण पदक पर कब्जा किया। योगा प्रतियोगिता में शुभम, छायांक, रौनक, जतिन, लक्ष्य और ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया। शॉटपुट में इशांत ने स्वर्ण पदक, ध्रुव ने कांस्य पदक, लंबी कूद में लक्ष्य ने स्वर्ण पदक और ट्रिपल जंप में गगनदीप ने स्वर्ण पदक हासिल किया। जैवलिन थ्रो में शुभम और निशांत ने रजत पदक, हैमर थ्रो में ध्रुव ने स्वर्ण पदक, ऊंची कूद में आकाश ने रजत पदक और नवीन ने कांस्य पदक जीत लिया। हर्डल दौड़ में आकाश ने स्वर्ण पदक, 155 मीटर दौड़ में मनीष ने कांस्य पदक और कुश्ती में हिमांशु ने स्वर्ण पदक हासिल किया। समारोह में खिलाड़ियों के साथ डीपी सोनू शर्मा एवं मुक्केबाजी कोच यूकेश दत्त भी सम्मानित हुए।

गोहाना। विद्यालय के पदक विजेता खिलाड़ी अपने गुरुजनों के साथ।

सोनीपत। विजेता खिलाड़ी ट्राफी दिखाते हुए।

रोल बॉल में सोनीपत की टीम ने पाया प्रथम स्थान

- जिला रोल बॉल एसोसिएशन के सदस्यों ने खिलाड़ियों का ज़ोरदार स्वागत किया ओर जीत की बधाई दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

हरियाणा रोल बॉल एसोसिएशन द्वारा अंडर-17 (जूनियर) आयु वर्ग के खिलाड़ियों की राज्य स्तरीय रोल बॉल प्रतियोगिता करनाल में आयोजित की गई थी। जिसमें लड़को की टीम में हरियाणा के 15 जिलों ने और लड़कियों की 7 जिले की टीम ने भाग लिया। हरियाणा राज्य स्तरीय रोल बॉल प्रतियोगिता में सोनीपत जिले की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लड़कों की टीम ने फाइनल मुकाबले में हिसार की टीम को हरा कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। सोनीपत पहुंच कर जिला रोल बॉल एसोसिएशन सोनीपत के सभी सदस्यों ने खिलाड़ियों का ज़ोरदार स्वागत किया ओर जीत की बधाई दी। जिला रोल बॉल एसोसिएशन सोनीपत के सदस्य मनीष नैन, विनोद कुमार, सीता खत्री, मोनिका दहिया व सोनीपत के एनआईएस कोच मोहित, अमित सैनी, कोच ओमदीप कौशिक, मंजीत, रैना, अनूप शर्मा, धर्मेंद्र, संदीप, प्रिंस रावत ने सोनीपत के सभी खिलाड़ियों का राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में चयन होने पर बधाई दी।

गन्नौर। विधायक देवेंद्र कादियान, एसडीजेएम गन्नौर मानसी गौर, सिविल जज (कनिष्ठ श्रेणी), गन्नौर सागर शर्मा समारोह में सम्मानित करते हुए।

स्वतंत्रता दिवस पर विधायक देवेंद्र कादियान ने किया ध्वजारोहण, परेड की सलामी ली

गन्नौर । स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर गन्नौर में हर्षोल्लास और देशभक्ति के माहौल के बीच गन्नौर हल्के के विधायक देवेंद्र कादियान ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और परेड की सलामी ली। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रगान के साथ हुआ। एसडीजेएम गन्नौर मानसी गौर, सिविल जज (कनिष्ठ श्रेणी), गन्नौर सागर शर्मा ने भी समारोह में विशिष्ट अतिथि शिरकत की। जिसके बाद रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। स्कूली बच्चों ने देशभक्ति गीतों और नृत्य के माध्यम से शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। परेड में पुलिस, एनसीसी और स्कूली बच्चों की टुकड़ियों ने अनुशासन और जोश से भरे प्रदर्शन से उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। । इस मौके पर गन्नौर के एसडीएम प्रवेश कादियान , तहसीलदार ललित दलाल, नायब तहसीलदार गजे सिंह, एसीपी ऋषिकांत, थाना प्रभारी धीरज कुमार, पूर्व अध्यक्ष ईश्वर कश्यप, पूर्व अध्यक्ष दिनेश अदलखा, पूर्व पार्षद अंकित मल्होत्रा, पूर्व पार्षद हरीश मदान सहित काफी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।

नव ज्योति शिक्षा सदन में धूमधाम से मनाया स्वतंत्रता दिवस व जन्माष्टमी का उत्सव

गन्नौर । नवज्योति शिक्षा सदन खुबडू भांवर में स्वतंत्रता दिवस तथा जन्माष्टमी का उत्सव बड़े धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में देशभक्ति नाटक देशभक्ति गीत तथा राधा कृष्ण की झांकियां निकाली गई। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के प्रधानाचार्य राजेंद्र कौशिक ने ध्वजारोहण करके की तथा राष्ट्रीय गान व राष्ट्रीय गीत गाया गया। राजेंद्र कौशिक जी ने कहा कि आज हम 79वां स्वतंत्रता दिवस मना रहे हैं इस आजादी के पीछे हमारे पूर्वजों ने बहुत कड़ी मेहनत की है। यह आजादी हमें ऐसे ही नहीं मिली एक बहुत लंबा संघर्ष हमारे देश भक्तों ने किया । विद्यालय के अध्यापक जसवंत धनखड, संजीत कौशिक, पवन कौशिक, सुमन कौशिक, सोनिया खोखर, सोनिया कुंडू ,रजनी, गीतांजलि, प्रीति राठी आदि उपस्थित रहे।

गांव और शुभचिंतकों में खुशी का माहौल

अनिल कुमार धनाना राज्य वरिष्ठ उपाध्यक्ष नियुक्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

शिवनगरी धनाना के अनिल कुमार को हरियाणा कायकिंग एवं कैनोइंग एसोसिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष की जिम्मेवारी सौंपी गई है। कायकिंग और कैनोइंग एक प्रकार का खेल है। कायकिंग की नाव में हम सीटिंग पोजीशन साइड पैडलिंग करते हैं जबकि कैनोइंग में निलिंग पोजीशन में केवल एक तरफ पैडलिंग करते हैं। हरियाणा ओलंपिक संघ के अध्यक्ष कप्तान मीनू बेनीवाल ने अनिल कुमार को हरियाणा कायकिंग एवं कैनोइंग एसोसिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष की जिम्मेवारी सौंपी है। इसके लिए उन्होंने अध्यक्ष कप्तान मीनू बेनीवाल का आभार व्यक्त किया। उनको यह जिम्मेवारी मिलने उसके गांव व शुभचिंतकों में खुशी का माहौल है। नवनियुक्त वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनिल कुमार ने कहा कि उनको सौंपी गई जिम्मेवारी का वह ईमानदारी एवं निष्ठा से निवर्हन करेंगे। अनिल कुमार एक ऐसे परिवार से हैं जिसमें खेलों को अच्छा महत्व दिया जाता है। खेलों में श्रेष्ठ प्रदर्शन के आधार पर ही इनके परिवार के कई सदस्य पंजाब पुलिस में ऊंचे ओहदे पर कार्यरत हैं।

गोहाना। अनिल कुमार को उक्त पद की जिम्मेवारी सौंपते हुए अध्यक्ष कप्तान मीनू बेनीवाल। फोटो : हरिभूमि

खरखौदा। खेतों में खड़े बारिश के पानी को दिखाते किसान।

पानी की निकासी न होने से फसलें खराब होने के कगार पर

खरखौदा। झिंझौली गांव के खेतों में पानी निकासी की समुचित व्यवस्था न होने के कारण किसान परेशान हैं। किसानों का कहना है कि धान की फसल के साथ ही अन्य फसलें भी डूबी हुई हैं। उस पर वर्षा का सीजन है और लगातार बारिश हो रही है। ऐसे में किसानों की मांग है कि खेतों से पानी निकासी के इंतजाम करवाए जाएं। झिंझौली गांव के किसान जयकरण, देवेंद्र, सिंधा, सोनू, सुनील, रामचंद्र, मास्टर सतबीर आदि का कहना है कि

हमारे देश की आजादी अनगिनत बलिदानों की बदौलत मिली : कमल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

- जिला कांग्रेस भवन में मनाया गया 79वां स्वतंत्रता दिवस, वीर शहीदों को किया नमन

ब्रह्मकुमारी आश्रम में जन्माष्टमी उत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर आश्रम को रंग-बिरंगी सजावट और झांकियों से सजाया गया, जहां भगवान श्रीकृष्ण के जीवन प्रसंगों को आकर्षक झांकियों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से दर्शाया गया। कार्यक्रम में कांग्रेस शहरी जिला अध्यक्ष कमल दिवान मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और कहा कि भगवान श्रीकृष्ण की लीलाएं हमें धर्म, सत्य और न्याय के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती हैं। वहीं 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिला कांग्रेस भवन में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कांग्रेस के शहरी जिला अध्यक्ष कमल दिवान ने विशेष रूप से शिरकत की। इस दौरान कमल दिवान ने कहा कि हमारे देश की आज़ादी अनगिनत बलिदानों की बदौलत मिली है। इस मौके पर सांसद सतपाल ब्रह्मचारी, ग्रामीण जिला अध्यक्ष संजीव कुमार दहिया, पूर्व विधायक धर्मपाल मलिक, पूर्व विधायक सुरेंद्र पंवार, पदम सिंह दहिया, सुखबीर फरमाणा, जयभगवान आंतिल, प्रेम नारायण गुप्ता, लीलू प्रधान, अंकित व केसी बत्रा मौजूद रहे।

सोनीपत। कार्यक्रम के दौरान सांसद सतपाल ब्रह्मचारी के साथ जिलाध्यक्ष कमल दिवान एवं अन्य।

गन्नौर। चाइल्ड केयर इंटरनेशनल स्कूल के छात्र संस्कृति कार्यक्रम करते हुए।

चाइल्ड केयर स्कूल में धूमधाम से मनाया स्वतंत्रता दिवस एवं जन्माष्टमी उत्सव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

चाइल्ड केयर इंटरनेशनल स्कूल में स्वतंत्रता दिवस और जन्माष्टमी महोत्सव बड़े ही उत्साह और देशभक्ति के माहौल में मनाया गया। स्कूल के निदेशक अजय यादव और प्राचार्य अरुण गौतम ने ध्वजारोहण एवं राष्ट्रीय गान के साथ किया।

विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से कार्यक्रम को जीवंत बना दिया। स्कूल के निदेशक अजय यादव ने कहा, “स्वतंत्रता दिवस हमें त्याग, एकता और जिम्मेदारी की सीख देता है, वहीं जन्माष्टमी हमें धर्म, प्रेम और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। कार्यक्रम की व्यवस्था शिक्षकों ने संभाली ।

व्यापारियों के लिए जीएसटी को सरल बनाना जरूरी

व्यापारी इतना कमाता नहीं जितना टैक्स भरता है : तायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

हरियाणा कांग्रेस कमेटी व्यापार प्रकोष्ठ के पूर्व चेयरमैन मुकेश तायल ने कहा कि व्यापारी इतना कमाता नहीं जितना उससे टैक्स वसूला जा रहा है। ऐसे में व्यापारी वर्ग लगातार घाटे में जा रहा है। व्यापारी वर्ग के उत्थान के लिए जीएसटी को सरल बनाना एवं टैक्स कम करना आवश्यक है। वे रविवार को विकास नगर स्थित अपने कार्यालय में मीडिया को संबोधित कर रहे थे। मुकेश तायल ने कहा कि कोई भी व्यापारी व्यापार में मुश्किल से एक या दो परसेंट कमाता है जबकि उससे टैक्स अधिक जमा करवा लेती है। ऐसें में व्यापारियों का व्यापार और जीवन दोनों जोखिम में हैं। पहले देश में अधिक से अधिक 4 प्रतिशत टैक्स था लेकिन अब कम से कम 5 प्रतिशत से लेकर 12 प्रतिशत, 18 प्रतिशत और 28 प्रतिशत तक टैक्स वसूला जा रहा है। टैक्स भरने के बाद भी व्यापारियों को नोटिस जारी किए जा रहे हैं। टैक्स भरने की प्रक्रिया ऑनलाइन होने के चलते कोई सुनवाई भी नहीं होती है। व्यापारी वर्ग पर एक तो टैक्स की मार और ऊपर से गुंडों का डर। मुकेश तायल ने कहा कि आज प्रदेश में इतनी अधिक गुंडागर्दी बढ़ गई है कि व्यापारी वर्ग डर-डार कर जीवन जी रहा है।

गोहाना। मीडिया को संबोधित करते हुए मुकेश तायल, साथ में हैं उसके सहयोगी।

सोनीपत। विरोध प्रदर्शन करते हुए मैप्सको सिटी के रेजीडेंट्स।

मैप्सको सिटी प्रबंधन के खिलाफ रेजीडेंट्स एकजुट

सोनीपत। मैप्सको सिटी के निवासियों ने रविवार को कंपनी की कार्यप्रणाली के खिलाफ जोरदार रोष जताया। निवासियों का आरोप है कि 2006-07 में प्लाटिंग के दौरान कंपनी ने कई मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने का वादा किया था, लेकिन अब तक उन पर अमल नहीं हुआ। इनमें बिजली सब स्टेशन, एसटीपी और अन्य बुनियादी ढांचे शामिल हैं। रेजीडेंट्स का कहना है कि कंपनी द्वारा सेक्टर का मैंटेनेंस किया जाता है और इसके लिए वे नियमित रूप से शुल्क भी अदा करते हैं, लेकिन एग्रीमेंट के अनुसार सुविधाएं नहीं दी जा रहीं। इसके विपरीत कई सेवाओं जैसे घर से कूड़ा उठाने, पानी का बिल और स्ट्रीट लाइट के लिए अतिरिक्त शुल्क लिया जा रहा है। लोगों ने बताया कि कंपनी लगातार मैंटेनेंस चार्ज बढ़ा रही है। पहले 250 वर्गगज मकान का सालाना शुल्क 11,505 रुपये था, जो अब बढ़ाकर 27,930 रुपये कर दिया गया है। निवासियों ने इसे अनुचित बताते हुए कहा कि जब सुविधाएं ही नहीं मिल रहीं तो बढ़ा हुआ चार्ज क्यों लिया जा रहा है। आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों ने बताया कि कई बार कंपनी मालिक से समस्या के समाधान के लिए बातचीत करने की कोशिश की गई, लेकिन बार-बार समय मांगने के बावजूद वे मुलाकात के लिए तैयार नहीं हुए। इस मौके पर बड़ी संख्या में सेक्टरवासी मौजूद रहे और एकजुट होकर अपनी आवाज बुलंद की।

गन्नौर। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव में विधायक देवेंद्र कादियान को आचार्य तिलक लगाते हुए ।

शिव पार्क गन्नौर में मनाई जन्माष्टमी कलाकारों ने प्रस्तुतियों से समां बांधा

गन्नौर । शिव पार्क में आयोजित श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव बड़े ही धूमधाम और श्रद्धा भाव से मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गन्नौर विधायक देवेंद्र कादियान रहे, जिन्होंने भगवान श्रीकृष्ण की आरती उतारी और सभी को जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीं। विधायक कादियान ने कहा कि श्रीकृष्ण का जीवन प्रेम, सत्य और धर्म की राह पर चलने की प्रेरणा देता है। कार्यक्रम में रासलीला, दही हांडी प्रतियोगिता, भजन संध्या और श्रीकृष्ण की लीलाओं पर आधारित सुंदर झांकियों ने सभी का मन मोह लिया। कलाकारों और बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से समां बांधा। कार्यक्रम के अंत में रात को श्रीकृष्ण जन्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जयकारों से वातावरण गूंज उठा। इस अवसर पर पूर्व पार्षद अंकित मल्होत्रा, हरीश वाधवा, दिनेश अदलखा, प्रवेश मदान, अमित बत्रा, हरीश मदान, सुरेंद्र जाग्या, तरुण चुघ आदि उपस्थित रहे।

राहत बरसात के बाद हर जर्जर सड़क को सुधारा जाएगा : देवेंद्र कादियान

300 मीटर तक टूटी सड़क ग्रामीणों के लिए बनी हुई थी परेशानी

माजरी के पास टूटी सड़क पर रुके विधायक मौके पर मंगाई जेसीबी, शुरू कराई मरम्मत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

कैलाना-गोहाना रोड पर माजरी गांव के पास खस्ताहाल पड़ी सड़क की हालत देख विधायक देवेंद्र कादियान खुद रुक गए और वहीं से जेसीबी व मरम्मत सामग्री मंगवाकर गड्ढों को भरवाने का काम शुरू करवा दिया। लगभग 300 मीटर तक टूटी यह सड़क लंबे समय से ग्रामीणों के लिए परेशानी बनी हुई थी। यह रास्ता दर्जनभर गांवों के अलावा गोहाना, खानपुर पीजीआई और जिंदा बाबा धाम जैसे धार्मिक स्थल से जोड़ता है, खराब सड़क के कारण राहगीरों और श्रद्धालुओं को भारी दिक्कत होती थी। रविवार को एक कार्यक्रम से लौटते वक्त जब विधायक कादियान माजरी पहुंचे, तो ग्रामीणों ने उन्हें सड़क की दुर्दशा की जानकारी दी। समस्या सुनते ही उन्होंने मौके पर तत्काल कार्रवाई करते हुए मरम्मत कार्य शुरू करवा दिया। ग्रामीणों ने इस पर राहत की सांस ली और विधायक का आभार जताया। विधायक कादियान ने कहा कि गांवों की टूटी सड़कों का स्थायी समाधान बरसात के बाद किया जाएगा। हमारी योजना सिर्फ गड्ढे भरने तक सीमित नहीं है, बल्कि हर गांव को पक्की सड़क, बेहतर जल निकासी और मूलभूत सुविधाओं से जोड़ा जाएगा उन्होंने बताया, गन्नौर-शाहपुर रोड से खानपुर वाया सैयाखेड़ा, कैलाना, दुभेटा और कासन्डी गांव को जोड़ने वाली लगभग 16.15 किलोमीटर लंबी सड़क पर 562.31 लाख रुपए की लागत आएगी। सड़क के बनने से ग्रामीणों और राहगीरों को राहत मिलेगी। उन्होंने बताया कि कई स्थानों पर पानी निकासी की सही व्यवस्था न होने से सड़कें जल्दी टूट जाती हैं।

गन्नौर। विधायक देवेंद्र कादियान माजरी गांव के पास खस्ताहाल पड़ी सड़क की जेसीबी व मरम्मत सामग्री मंगवाकर गड्ढों को भरवाते हुए ।

गड्ढों की वजह से हो रहे हैं हादसे, लोग परेशान

सोनीपत। ओल्ड डीसी रोड पर आर्य समाज मंदिर और दुर्गा मंदिर के बीच पिछले कई महीनों से पानी भरे रहने के कारण सड़कें गड्ढों में तब्दील हो चुकी हैं। स्थिति यह है कि रोजाना दोपहिया और तीनपहिया वाहन चालक हादसों का शिकार होकर नुकसान उठा रहे हैं। कई बार वाहन पलटने की घटनाएं हो चुकी हैं, जिससे आमजन को जान-माल की क्षति झेलनी पड़ रही है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि बार-बार शिकायतों और गुहार के बावजूद नगर निगम अधिकारी और नेता बारिश का हवाला देकर जिम्मेदारी से बचते रहे हैं। लोगों का दर्द सुनने और समस्या का स्थायी समाधान करने की जगह उन्हें हालात पर ही छोड़ दिया गया है। इसी तरह शनि मंदिर अंडरपास की स्थिति भी बदतर है। बारिश के बाद वहां कूड़ा, कचरा और मलबा सड़कों के किनारे तथा जालियों के पास जमा रहता है। इससे जलभराव और अधिक बढ़ जाता है। नागरिकों का कहना है कि समय रहते इन बाधाओं को हटाना जरूरी है ताकि भविष्य में परेशानी न हो।

सोनीपत। गड्ढों में गिरी ई-रिक्शा उठाते हुए लोग।